vke|[k

बच्चे हमारी परंपरा के वाहक हैं और भविष्य की आशा भी। उत्सुकता से चमकती आँखों और अपरिमित ऊर्जा वाले बच्चे सीखने की ललक लेकर विद्यालय आते हैं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था– मुझमें कोई विशेष प्रतिभा नहीं है, लेकिन मुझमें सिर्फ़ जानने की प्रबल उत्सुकता है।

ये पंक्ति पठन–पाठन पद्धति के इस महत्त्वपूर्ण पक्ष को दर्शाती है कि बच्चों को सीखने के पूरे अवसर मिलें ताकि उनमें उत्सुकता बनी रहे। इसलिए हमें स्कूल और कक्षा का वातावरण, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण सामग्री, गुणवत्तापूर्ण सिखाने और सीखने के लिए समय, शिक्षक की भूमिका आदि पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

गुणवत्तापरक परिवर्तन को लक्ष्य बनाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए विभाग द्वारा विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इनके अंतर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 व शिक्षा का अधिकार 2009 तथा अध्यापक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2009 के मद्देनजर कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी हो। बच्चों के स्कूली जीवन को उनके परिवेश से जोड़ा जाए, जिससे स्कूल और घर के बीच की दूरी कम हो सके। इन पाठ्यपुस्तकों से बच्चों को छान–बीन करने, स्वयं करके देखने–समझने, समस्या का स्वयं समाधान ढूँढ़ने जैसे कौशलों के विकास के अनेक अवसर मिल सकें, जिससे बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित न रहें अपितु परिवेश में उपलब्ध साधनों की ओर भी उन्मुख हों।

सीखने की प्रक्रिया में बच्चों का अपना सामाजिक संदर्भ महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्हें सामाजिक विविधता के साथ–साथ धर्म, जाति, लिंग के प्रति समानता, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों एवं बड़े बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, आदर–भाव तथा हरियाणा की संस्कृति की छटा को समझने के समुचित अवसर मिल सके, नवनिर्मित पाठ्यपुस्तकों में इनका गंभीरता से प्रयास किया गया है।

इन पुस्तकों में बच्चों के आस–पास की सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को आधार बनाकर प्रत्येक स्तरानुसार विषय–सामग्री और गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। इससे सभी बच्चे रोचक ढंग से स्तरानुसार व अपनी गति के अनुसार दक्षताओं और कौशलों का विकास कर पाएँगे। शिक्षक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा बच्चों का आकलन कर उनके स्तरानुसार दक्षताओं और कौशलों को विकसित करने में सहायक होंगे।

यह उल्लेख भी प्रासंगिक होगा कि इन पुस्तकों को आप के बीच से आए विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाओं के सहयोग से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुड़गाँव द्वारा तैयार किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अध्यापकगण इनके अंतर्निहित भावों को जानकर शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने कौशल से, सीखने के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे।

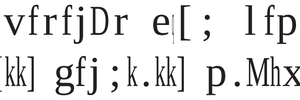

vfrfjDr eq[; lfpo]
fo|ky; f'k{kk] gfj;k.kk] p.Mhx<

ikB;iLrd fuek.k lfefr

lj{kd eMy – केशनी आनन्द अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा।
रोहतास सिंह खरब, निदेशक, मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा।
आलोक वर्मा, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

ekxn'ku – स्नेहलता, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leUo; lfefr – सुशील बत्रा, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
रवींद्र सिंह फौगाट, अध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा, गुड़गाँव।

iujoykdu lfefr – डी.सी. ग्रोवर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
डॉ. योगेश वासिष्ठ, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leh{kk lfefr – डॉ. संध्या सिंह, प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
डॉ. रामकरण डबास, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली।
कान्ता कश्यप, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

lnL; – तनु भारद्वाज, विषय विशेषज्ञ,एस.सी.ई.आर.टी.हरियाणा, गुड़गाँव
अलका रानी संस्कृत, प्राध्यापिका, डाइट गुड़गाँव, गुड़गाँव
ब्रजेश शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, डाइट जनौली, पलवल
महेन्द्र सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, बौंद कलाँ, भिवानी
राजेश कुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, अग्रोहा, हिसार
सोमप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, कैथल, कैथल
वेदप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, बवानी खेड़ा, भिवानी
कुलदीप सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, हाँसी–2, हिसार
पूर्वा सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, फरीदाबाद, फरीदाबाद
राजकुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, रानियाँ, सिरसा
बलविन्द्र सिन्हा, खंड संसाधन व्यक्ति, शहजादपुर, अंबाला

lnL; ,o leUo;d – राजेश यादव, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

vkHkkj

मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा अपने प्रांत की राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की संपूर्ण पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के प्रति आभार व्यक्त करता है। इन पुस्तकों के लेखन में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली ने जिन विशेषज्ञों को इस कार्य हेतु नियुक्त किया, उसके प्रति हम उनके आभारी हैं। यह विभाग इस पुस्तक के पुनरवलोकन, समीक्षा व महत्त्वपूर्ण सुझावों के लिए प्रो. के.के. वशिष्ठ पूर्व अध्यक्ष, प्रा. शि.वि., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, प्रो. रामसजन पांडे, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक व डॉ. शारदा कुमारी, भाषा विशेषज्ञ, डाइट, दिल्ली के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है। जिन रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान की व साथ ही एकलव्य भोपाल के भी हम प्रकाशन स्वीकृति प्रदान करने के लिए आभारी हैं।

हमारे प्रयासों के बावजूद यदि किसी रचनाकार अथवा संस्था का नाम छूट गया हो तो विभाग उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता है। भविष्य में नाम की जानकारी होने पर आगामी संस्करणों में संशोधन कर लिया जाएगा। अज्ञात एवं अनजान कवियों व लेखकों की रचनाएँ सुविधावंचित बच्चों के लिए हैं। इनका निशुल्क वितरण किया जाना है। ये पुस्तकें किसी व्यक्तिगत लाभ को मद्देनजर रखकर नहीं बनाई गई।

पुस्तकों के टंकण कार्य हेतु बबली एवं देवानंद तथा चित्रांकन व साज–सज्जा के लिए धर्म सिंह कला अध्यापक, खैरड़ी, रमेश कुमार कला अध्यापक, सांघी, फजरूद्दीन एवं कमल किशोर का भी यह विभाग आभार व्यक्त करता है।

पाठ्यपुस्तक के विकास में जिन विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी बातचीत हेतु सहयोगी रहे तथा जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से इस पाठ्य पुस्तक को मूर्त रूप देने में सहयोग दिया, विभाग उन सभी सर्जकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

jkgrkl flg [kjc
fun'kd] ekfyd f'k{kk]
gfj;k.kk] ipdyk

f’k{kdk ,o vfHkHkkodk d fy,

मातृभाषा मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। मातृभाषा ही बालक की प्रारंभिक शिक्षा का मूलाधार हुआ करती है, जो उसके व्यक्तित्व का समुचित विकास करती है। इसी सुदृढ़ आधार पर सुंदर भविष्य की सशक्त इमारत खड़ी होती है।

बच्चे जब विद्यालय में प्रवेश करते हैं, तब वे कोरा कागज़ या साफ स्लेट नहीं होते, बल्कि वे विस्तृत मातृभाषा ज्ञान के साथ विद्यालय आते हैं। वे अपनी जरूरतों और भावनाओं को भाषा के माध्यम से भली–भाँति अभिव्यक्त कर लेते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम दुनिया को बच्चों की निगाह से देखें।

झिलमिल–1 पहली कक्षा के बच्चों के लिए केवल पाठ्यपुस्तक ही नहीं है, वरन् उनके साथ मिलकर कविता गुनगुनाने, कहानी सुनने–सुनाने तथा उनकी कल्पनाशक्ति को पंख प्रदान करने का सशक्त माध्यम भी है। पुस्तक का निर्माण भाषा के चारों कौशलों–सुनना, बोलना, पढ़ना व लिखना का सहजता से विकास करने के उद्देश्य से किया गया है। रंगीन किताबें सदैव ही बच्चों के आकर्षण का केंद्र रही हैं। ये बच्चों को अनायास ही अपनी ओर आकर्षित करती हैं। रंगीन चित्रों से भरी किताब को जब बच्चा बार–बार उलटता–पलटता है तो अनायास ही खुशी के भाव उसके चेहरे से झलकने लगते हैं। इस पुस्तक में बच्चों की जिज्ञासा को चित्रों व गतिविधियों के माध्यम से पूर्ण करने का प्रयास किया गया है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–2005 का अनुसरण करते हुए पुस्तक के प्रारंभिक पाठों में बच्चे को उसके परिवेश से जोड़ते हुए बालगीत व चित्रकथा के माध्यम से शिक्षण को बालकेंद्रित बनाने का प्रयास किया गया है। सुझाई गई गतिविधियों के माध्यम से शिक्षक तनावरहित वातावरण का निर्माण करते हुए बच्चों को परस्पर घुलने–मिलने व सहजता से सीखने के लिए प्रोत्साहित करें।

भाषायी विविधता भाषा–विकास की कड़ी है। सभी भाषाएँ एक दूसरे के सान्निध्य में ही फलती–फूलती हैं। इसलिए कक्षा में प्रवेश करने पर बच्चे को आंचलिक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपनी बात कहने का अवसर प्रदान करें और प्रत्येक बच्चे की बात का सम्मान करते हुए उन्हें प्राथमिकता दें। प्रारंभिक इकाइयों में बातचीत व सरल प्रश्नोत्तर के माध्यम से बालकों को स्कूल के वातावरण से जोड़ने तथा मौखिक अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करते हुए सीखने के लिए तैयार करना है। इन इकाइयों का मुख्य उद्देश्य बच्चों से लिखने की अपेक्षा न करके उनमें वह आत्मविश्वास पैदा करना है, जो सीखने की प्रक्रिया में उनके लिए सहायक हो।

‘मेरा परिचय’ इकाई के अंतर्गत खेल–खेल में बच्चों को अपना परिचय देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करने हेतु चित्रपठन द्वारा कुछ बातें सिखाई गई हैं, जो उनकी दिनचर्या से संबंधित है।

‘परिवेश की जानकारी’ इकाई के अंतर्गत उन्हें परिवेश से जोड़ने का पूरा प्रयास किया गया है। इस इकाई के शिक्षण के दौरान शिक्षक उनके परिवेश से जुड़े अनेकानेक विषयों पर बातचीत करें।

‘लिखने की तैयारी’ से पूर्व रंग भरने, मिलान करने जैसे रुचिपूर्ण क्रियाकलाप पुस्तक में करने के लिए सुझाए गए हैं। ‘लिखने की तैयारी’ पाठ के पश्चात् वर्णों की उचित बनावट के लिए पाँच रेखाओं के भीतर लिखने का अभ्यास दिया गया है।

'वर्णों की पहचान' इकाई के अंतर्गत बालगीत व रोचक चित्रों के माध्यम से सभी वर्णों की पहचान करवाने पर बल दिया गया है।

'वर्णों का मेल' इकाई के अंतर्गत दो, तीन व चार वर्णों को मिलाकर शब्द बनाने व उन्हें जोड़कर पढ़ने का प्रयास किया गया है। ऐसा करने में शिक्षक बच्चों को अधिकाधिक अभ्यास कराएँ ताकि उन्हें वर्णों की भली–भाँति पहचान हो जाए।

'मात्रा ज्ञान' इकाई के अंतर्गत स्वरों की मात्राएँ पढ़ने और पहचानने का अभ्यास करवाया गया है।

पुस्तक में बच्चों को उनकी सृजनशीलता का स्वाभाविक विकास करने के लिए भरपूर अवसर दिए गए हैं, जिसके लिए चित्रकथा, बालगीत व परिवेश से जुड़े क्रियाकलाप को पुस्तक में शामिल किया गया है। मात्रा ज्ञान सिखाने के लिए प्रत्येक मात्रा संबंधी बाल गीत दिया गया है, जिसका रुचिपूर्वक सामूहिक प्रस्तुतीकरण करवाते हुए शिक्षक बच्चों को मात्राएँ सरलता से सिखा सकते हैं। पुस्तक में बच्चों को अपने अनुभवों और कल्पनाओं को विस्तार देने के भी अनेक अवसर प्रदान किए गए हैं। अभिभावकों से भी अपेक्षा है कि वे घर पर भी उन्हें ऐसे अवसर उपलब्ध कराएँ। यह जानने के लिए कि बच्चों ने शिक्षण उपरांत कितना सीखा, पुस्तक में कुछ इकाइयों के बाद पठित पाठों के आधार पर आकलन हेतु सामग्री दी गई है।

शिक्षकों से अपेक्षा है कि वे आई.सी.टी. का प्रयोग करते हुए बच्चों का ज्ञानवर्धन करें व बाल मनोविज्ञान को समझते हुए बच्चों के चारों ओर ऐसा वातावरण निर्मित करें, जिसमें प्रकाश ही प्रकाश हो और नन्हे बालक कल्पना के हिंडोले में बैठकर अपनी जिज्ञासा को शांत करते हुए ज्ञान प्राप्त करें। मैं आशा करती हूँ कि प्रस्तुत पुस्तक f>yfey से आलोकित होकर बच्चे अपनी प्रतिभा से सारी दुनिया को प्रकाशित करेंगे।

fun'kd
, l-l h-b-vkj-Vh- gfj;k.kk]
xqM+xk¡o

प्रस्तुत संस्करण

आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के साथ–साथ अध्यापकों को भी कई बार, विषय की बारीकियों और नए उदाहरणों के साथ केवल पाठ्य–पुस्तकों से समझाना कुछ अधूरा सा लगता है। ऐसी आवश्यकता महसूस होती है कि पुस्तक के विभिन्न पाठों में आवश्यकता पड़ने पर यदि डिजिटल कंटेंट तुरंत उपलब्ध हो जाय तो अध्ययन–अध्यापन की नीरसता समाप्त हो सकती है और कक्षा में रुचिकर वातावरण तैयार किया जा सकता है। कक्षा में छात्रों के अलग–अलग स्तर के अनुसार यदि गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हो तो, न केवल अध्ययन–अध्यापन और अधिक सशक्त होगा बल्कि कठिन बिन्दुओं को भी बेहतर ढंग से समझने–समझाने में सहायता मिलेगी। उर्जस्वित पुस्तकें (Energized Text Books) इस समस्या को हल करने की दिशा में एक पहल है। ऐसी पुस्तकों की संकल्पना, MHRD भारत सरकार के अध्यापकों को सक्षम करने के उद्देश्य से बनाये गए दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल के लिए की गयी है।

दीक्षा के अंतर्गत ऐसी पाठ्य पुस्तकों की कल्पना की गयी है, जिनमें पाठ्यक्रम को और सशक्त करने की क्षमता हो। परंपरागत रूप से उपलब्ध पुस्तकों में QR कोड की सहायता से और अधिक सूचनाएं तथा अतिरिक्त प्रभावी सामग्री जोड़कर उन्हें और अधिक सक्रिय तथा उर्जावान बनाया जा सकता हैं। अध्यापकों की आवश्यकता के अनुसार उनके द्वारा चिन्हित पाठ के कठिन भागों में QR कोड को प्रिंट कर दिया गया है, इन QR कोडस से विडियो, अभ्यास कार्यपत्रक और मूल्यांकन शीट को लिंक कर दिया गया है।

विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरूग्राम को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालयय (MHRD) के दीक्षा पोर्टल हेतु राज्य की नोडल एजेंसी बनाया गया है। इस सम्बन्ध में 12 जुलाई 2018 को शैक्षिक तकनीक (Educational-Technology) के राज्य संसाधन समूह (SRG) की एक संगोष्ठी आयोजित की गयी, जिसमें MHRD द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त टीम की सहायता से शैक्षिक सत्र 2018–19 हेतु राज्य के लिए एक दीक्षा कैलेंडर तैयार किया गया है इस सम्पूर्ण कार्य को मुख्यतः दो चरणों में विभक्त किया गया है–

प्रथम चरण : QR कोड युक्त पुस्तकें तैयार करना।

द्वितीय चरण : QR कोड से लिंक ई–कंटेंट तैयार करना।

विद्यालय अध्यापकों, डाइट एवं SCERT के विषय–विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा कक्षा 1-5 तक की हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं EVS विषय पर तैयार राज्य की पाठ्य–पुस्तकों का बारीकी से पुनरावलोकन प्रारंभ हुआ और कार्यशालाओं में इस कार्य के प्रथम चरण को पूरा किया गया। राज्य भर से चुने हुए इच्छुक कर्मठ अध्यापकों के सहयोग से चरण–2 के अंतर्गत ई–कंटेंट को निर्मित व संकलित करने का कार्य जारी है। इस कार्य के प्रथम चरण को पूर्ण करने के लिए परिषद श्रीमती पूनम भारद्वाज, अनुभागाध्यक्ष, शैक्षिक तकनीक विभाग तथा श्री मनोज कौशिक, समन्वयक (QR Code Project) का आभार व्यक्त करती है। परिषद इस कार्य को पूर्ण करने के लिए श्री नंद किशोर वर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, रूबी सेठी, अध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राजेश कुमारी, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, दीप्ता शर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राम मेहर, वरिष्ठ विशेषज्ञ, डाइट, माछरौली, झज्जर, धुपेंद्र सिंह, डाइट, विषय विशेषज्ञ, मात्रश्याम, हिसार, नरेश कुमार, विषय विशेषज्ञ, डाइट, डींग, सिरसा, डॉ एम.आर. यादव, प्राध्यापक, रा.व.मा.वि. निजामपुर, नारनौल, महेंद्रगढ़, कादयान यशवीर सिंह, अध्यापक, रा0व0मा0वि0, वजीराबाद, गुरूग्राम, डॉ पूजा नंन्दल, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. झज्जर, विरेंद्र, बी.आर.पी. बी.आर.सी. सालहावास, झज्जर, किरण परूथी, अध्यापिका, रा.व.मा.वि. खेडकी दौला, गुरूग्राम, बिन्दु दक्ष, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. जैकबपूरा, गुरूग्राम का भी हद्य से आभार व्यक्त करती है।

निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम

DIKSHA	दीक्षा एप कैसे डाउन लोड करें ?
	विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउजर पर diksha.gov.in/app टाइप करें। विकल्प 2: अपने एंड्राइड मोबाइल के Google Play store पर DIKSHA NCTE खोजें और "डाउनलोड" बटन को दबाएँ।

मोबाइल पर **QR** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

1. DIKSHA App लॉन्च करें और "गेस्ट के रूप में ब्राउज करें" पर क्लिक करें।
2. विद्यार्थी के रूप में जारी रखने के लिए विद्यार्थी पर क्लिक करें।
3. पाठ्य पुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA App में दिए गए QR कोड Icon Tap करें
4. डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड पर के ऊपर केंद्रित करें।
5. सफल स्कैन पर QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है।

डेस्कटॉप पर **DIAL** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

पाठ्य पुस्तक में QR कोड के नीचे 6 अंकों का एक कोड रहता है

1 जिसे DIAL कोड कहते हैं।

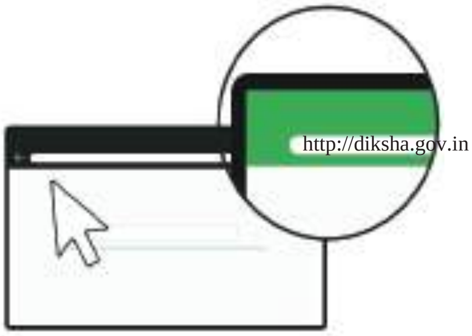

2 ब्राउजर पर **diksha.gov.in/hr/get** टाइप करें।

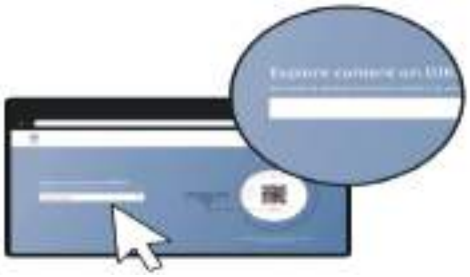

3 सर्च बार में DIAL कोड टाइप करें।

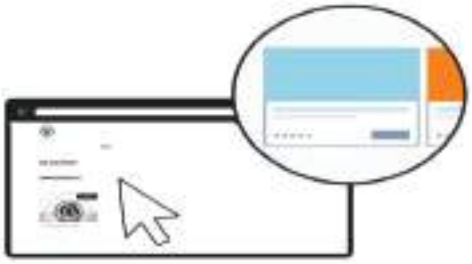

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखिए और किसी भी पाठ्य सामग्री पर क्लिक करे और देखे।

fo”k;&lph

6JTCCX

Ø0l0	ikB dk uke	i”B l[;k
इकाई 1.	मेरा परिचय	1
इकाई 2.	मस्ती की पाठशाला	3
इकाई 3.	चित्र–पठन	6
इकाई 4.	परिवेश की जानकारी	8
इकाई 5.	लिखने की तैयारी	26
इकाई 6.	वर्णों की पहचान	30
इकाई 7.	वर्णों का मेल	54
इकाई 8.	मात्रा ज्ञान	63
इकाई 9.	आओ पढ़ें कहानी	77
इकाई 10.	ढूँढ़ें और लिखें	78

bdkbZ 1

मेरा परिचय

6K38EK

ejk QksVks

मेरा नाम ———————————————————— है।

मैं —————————— कक्षा में पढ़ती/पढ़ता हूँ।

मैं —————————— साल का/की हूँ।

f'k{kd d fy, – कक्षा में बच्चों को अपना नाम बताएँ तथा अपने परिवार के सदस्यों के बारे में भी बताएँ। इसके बाद बच्चों को एक गोले में बैठाकर गेंद का खेल खिलाएँ और खेलते समय हर बच्चा बारी–बारी से गेंद अपने हाथ में आने पर अपना परिचय दे।

ejk ?kj] ejk ifjokj

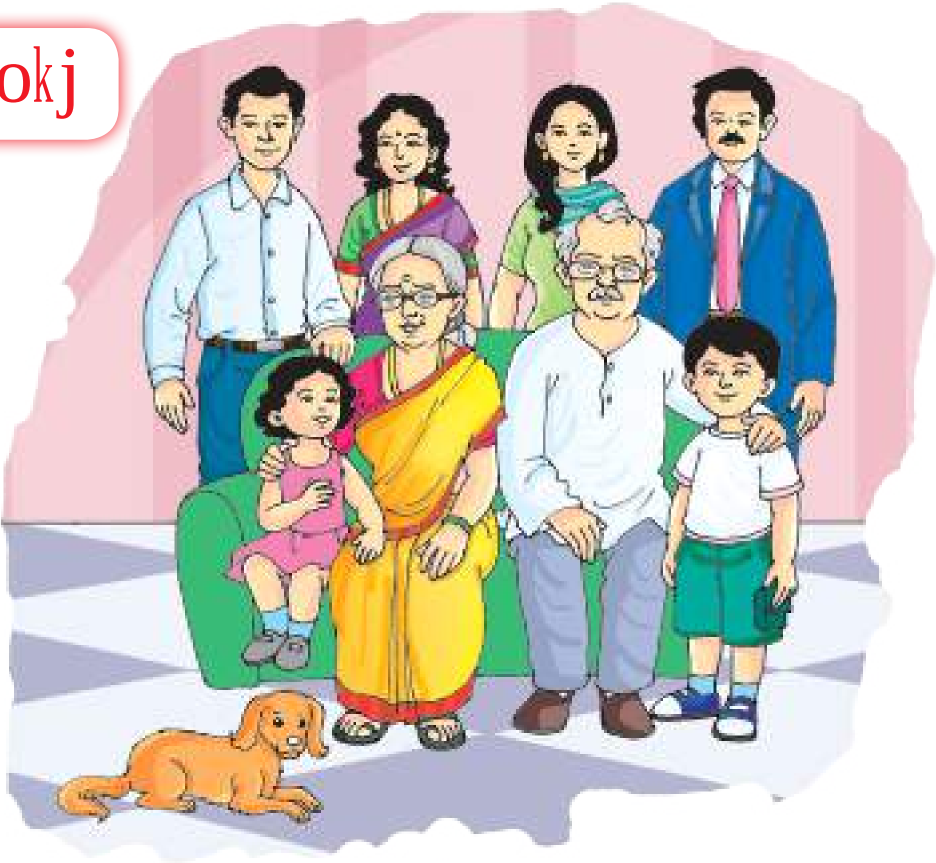

मेरा घर कितना अच्छा है,
कुछ कच्चा, कुछ पक्का है।
हम सब इसमें रहते हैं,
इसको अपना घर कहते हैं।

ppk d fy, – यह चित्र कहाँ का है? चर्चा को धीरे–धीरे चित्र से बच्चों के परिवार की ओर मोड़ें, जैसे– तुम्हारे घर में कौन–कौन रहते हैं? तुम्हारे माता–पिता, भाई–बहन, चाचा–चाची, दादा–दादी ......के क्या–क्या नाम हैं? घर में कौन, क्या–क्या करता है? घर में तुम किसके साथ खेलते हो? तुम्हारे घर के आस–पास क्या–क्या है? तुम्हारे घर में कौन–कौन से पशु हैं?

bdkbl 2

मस्ती की पाठशाला

(मिलकर गाएँ)

6KC4G8

चलो नई शुरुआत करें,
जो मन भाए बात करें।
चलो बनाएँ लंबी रेल,
मिलकर खेलेंगे सब खेल।
आओ झूमें, नाचें–गाएँ,
खुश होकर विद्यालय जाएँ।

j!y dk [k!y

आओ खेलें रेल का खेल,
हम भी एक बनाएँ रेल।
ऐसी रेल बनाएँ जिसमें,
सारे मिलकर खेलें खेल।

आती रेल जाती रेल,
सीटी हमें सुनाती रेल।

सबको सैर कराती रेल,
बच्चों को बहलाती रेल।

रेलम रेल, रेलम रेल,
आओ सारे खेलें खेल।

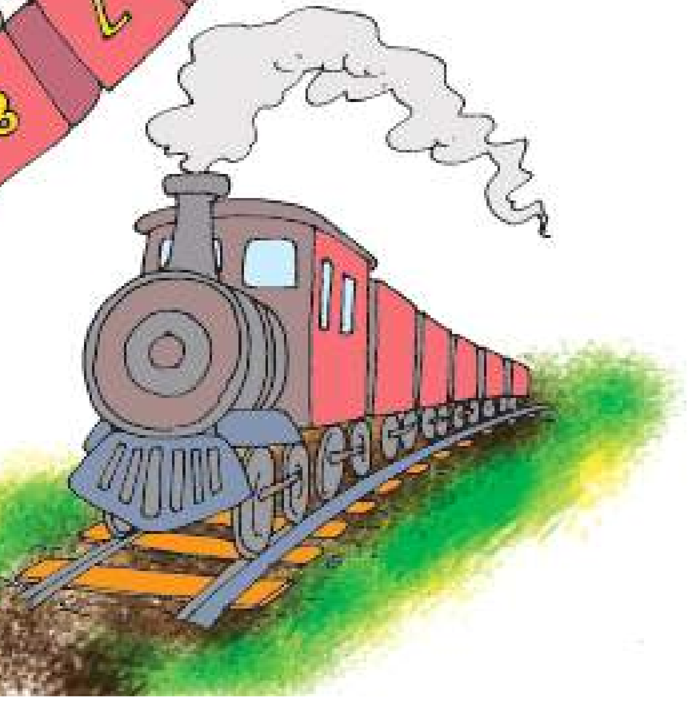

lo|jk

हुआ सवेरा जागो भाई,
किरणों ने भी ली अँगड़ाई।
बच्चो, तुम भी अब उठ जाओ,
मात–पिता को शीश नवाओ।

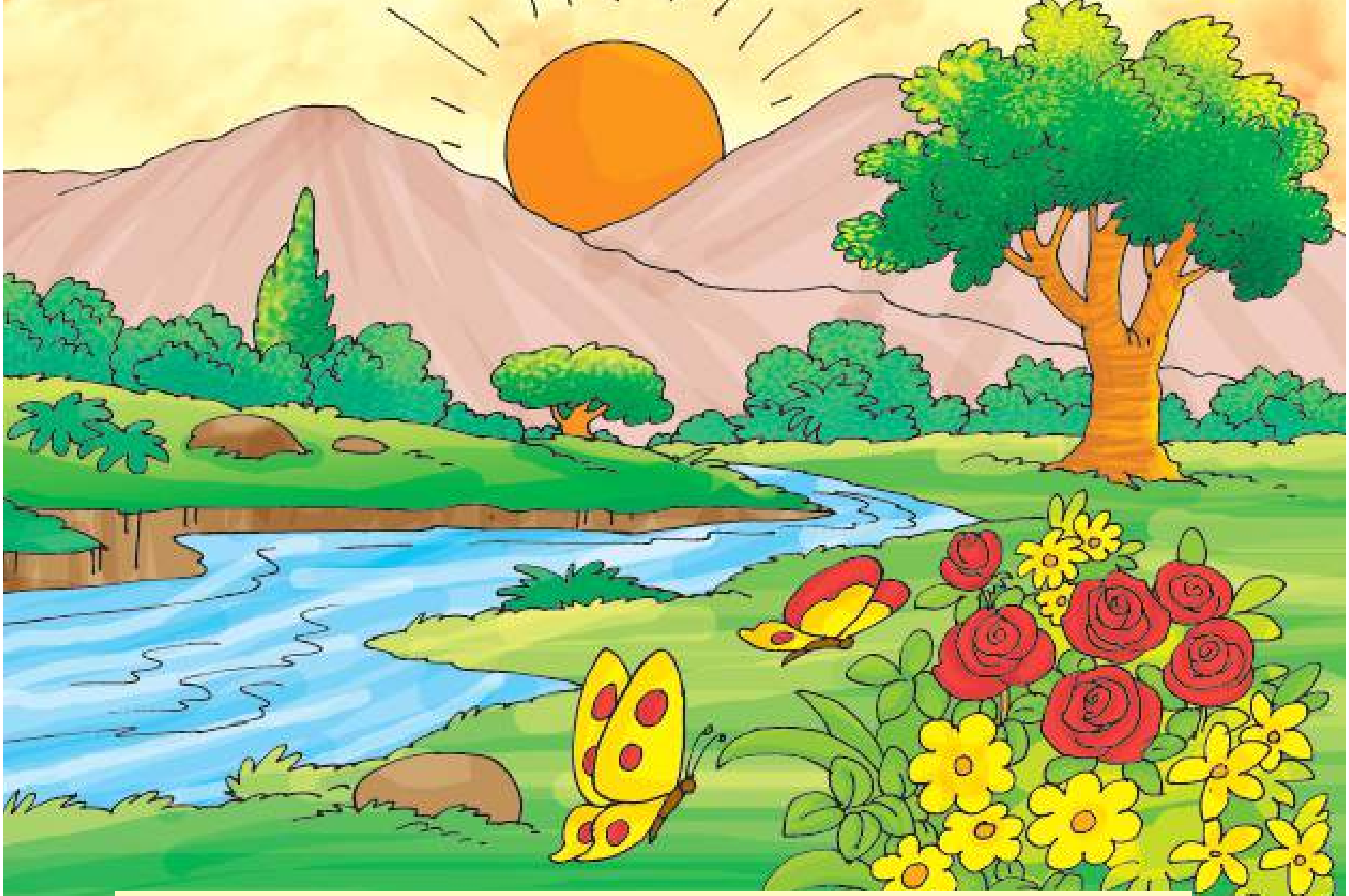

f'k{kd d fy, – कविता का लय के साथ दो से तीन बार वाचन करें तत्पश्चात स्वयं एक–एक पंक्ति बोलकर बच्चों को दोहराने के लिए कहें। बच्चों से बातचीत करें कि उन्हें सुबह उठकर कैसा लगता है? व उठने के पश्चात स्कूल आने से पूर्व वे कौन–कौन से क्रियाकलाप करते हैं?

bdkbl

3 चित्र पठन

LoPN jg] LoLFk jg

f’k{kd d fy, – शिक्षक बच्चों से एक–एक चित्र पर चर्चा करे। चित्र में कौन, क्या कर रहा है ? चित्र में दर्शायी गई क्रिया दिन के किस समय की है। चर्चा के माध्यम से बच्चों को ‘स्वास्थ्य एवं स्वच्छता’ के प्रति जागरूक करें।

bdkbl 4

परिवेश की जानकारी

ejk xk|o

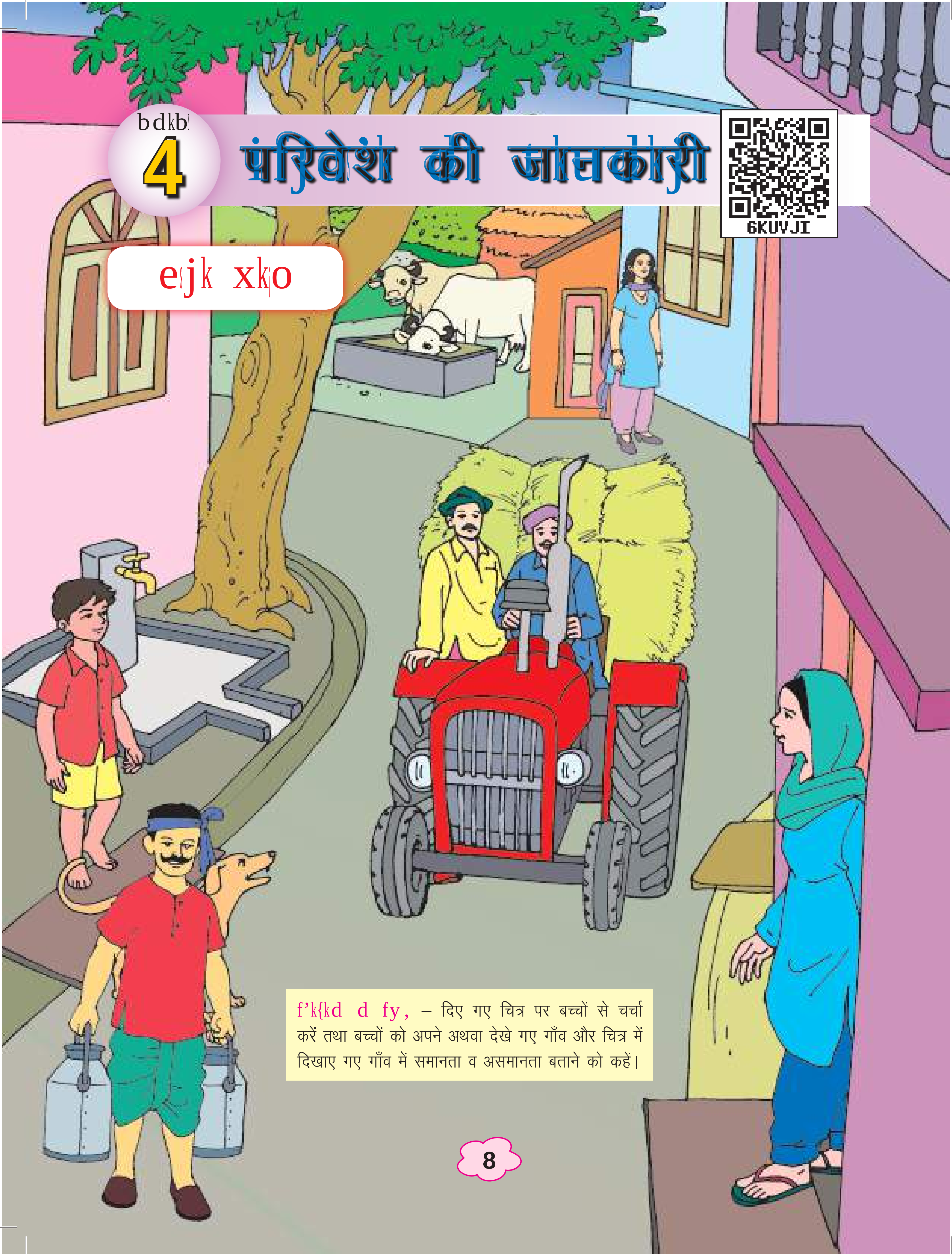

f’k{kd d fy, – दिए गए चित्र पर बच्चों से चर्चा करें तथा बच्चों को अपने अथवा देखे गए गाँव और चित्र में दिखाए गए गाँव में समानता व असमानता बताने को कहें।

ejk ‘kgj

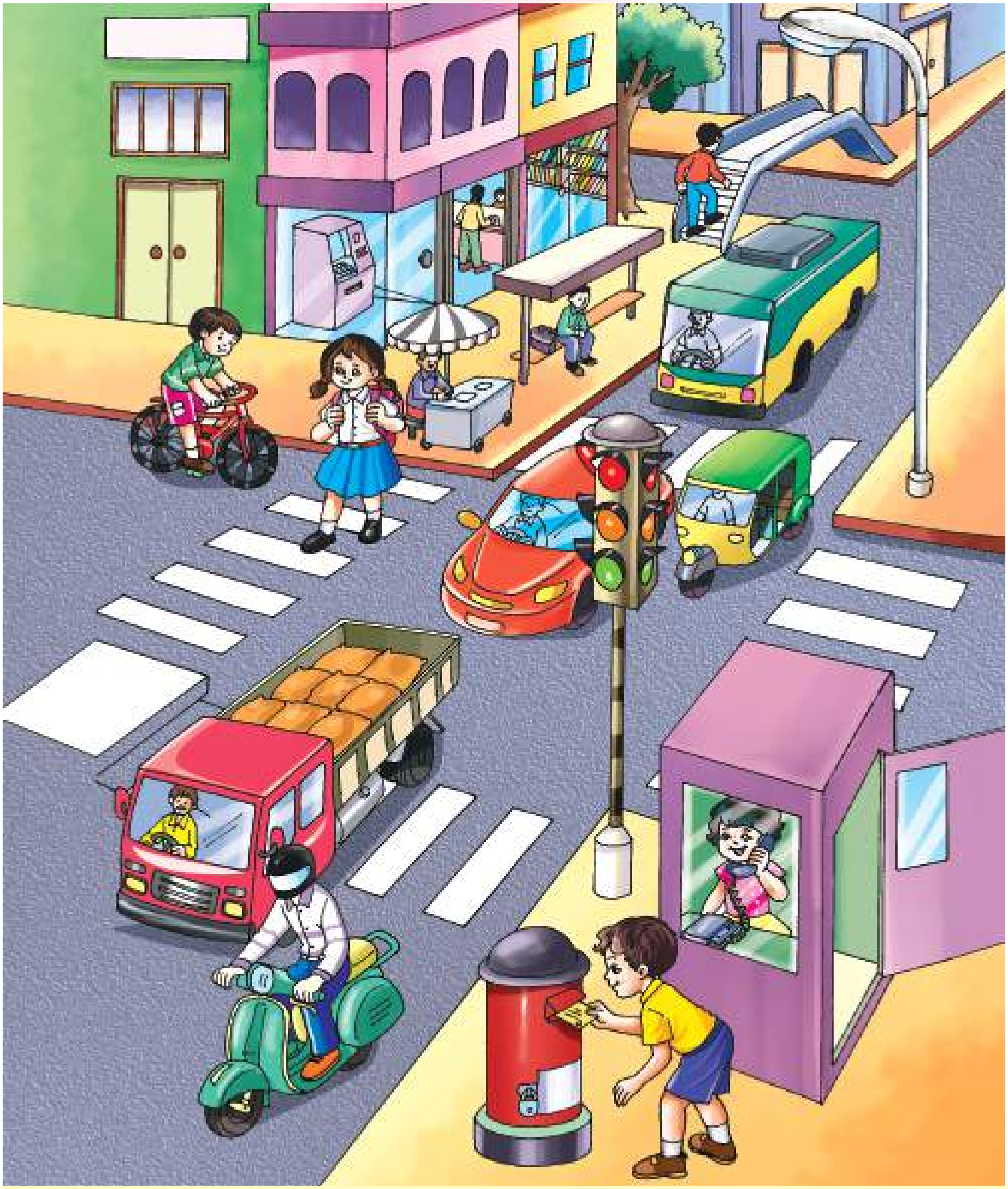

f’k{kd d fy, – दिए गए चित्र पर बच्चों से चर्चा करें तथा गाँव व शहर में अंतर बताने को कहें।

j lhy: Qy

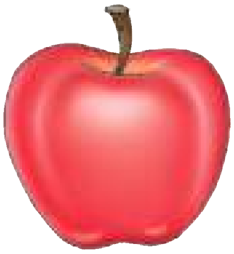
सेब

केला

अमरूद

अनार

तरबूज

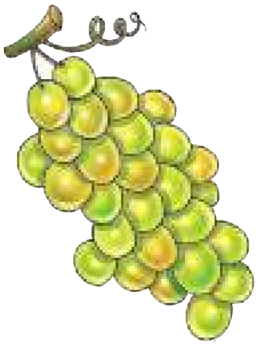
अंगूर

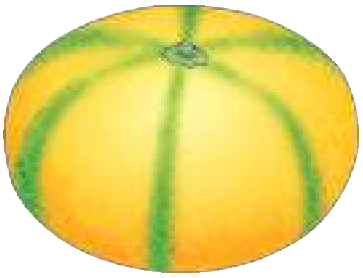
खरबूजा

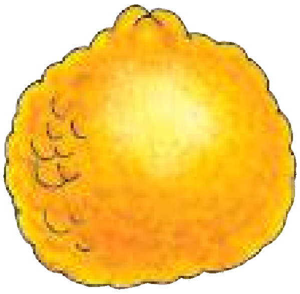
संतरा

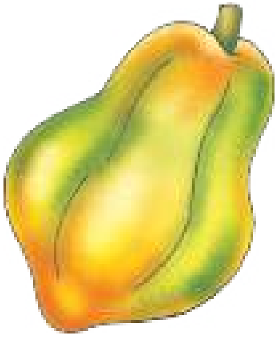
पपीता

अनानास

f'k{kd d fy, – दिए गए फलों पर चर्चा करने के साथ–साथ बच्चों से परिवेश में पाए जाने वाले अन्य फलों के बारे में भी पूछें व बच्चों को मौसम विशेष में मिलने वाले फलों की जानकारी दें।

vDdM&cDdM

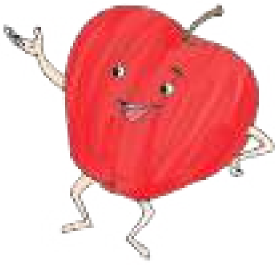

अक्कड़–बक्कड़ बंबे बोल,
ढम–ढम ढम–ढम बाजे ढोल।
सेब बोला मुझको खाओ,
खाकर अपनी सेहत बनाओ।

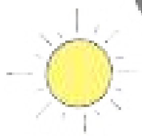

अक्कड़–बक्कड़ बंबे बोल,
ढम–ढम ढम–ढम बाजे ढोल।
केला बोला मुझको खाओ,
सड़क पे छिलका नहीं गिराओ।

अक्कड़–बक्कड़ बंबे बोल,
ढम–ढम ढम–ढम बाजे ढोल।
तरबूज बोला मुझको खाओ,
तुम सब अपनी प्यास बुझाओ।

अक्कड़–बक्कड़ बंबे बोल,
ढम–ढम ढम–ढम बाजे ढोल।
अंगूर बोला मुझको खाओ,
खट्टा–मीठा स्वाद पाओ।

अक्कड़–बक्कड़ बंबे बोल,
ढम–ढम ढम–ढम बाजे ढोल।
अनार बोला मुझको खा लो,
खाकर अपना रक्त बढ़ा लो।

f'k{kd d fy, – बच्चों को फलों के गुणों के बारे में बताएँ। कविता को बच्चों की सहायता से अन्य पसंद के फल जोड़कर आगे बढ़ाएँ।

gjh&Hkjh lfCt;k

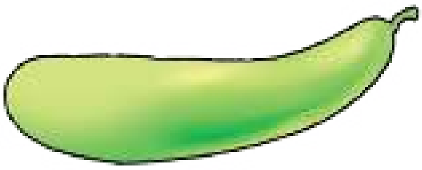

घीया

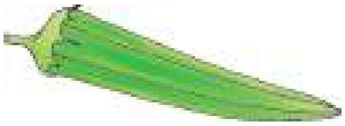

भिंडी

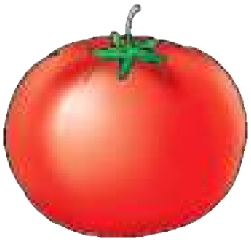

टमाटर

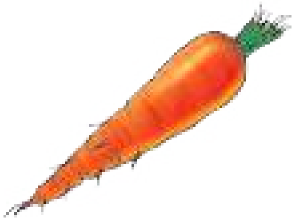

गाजर

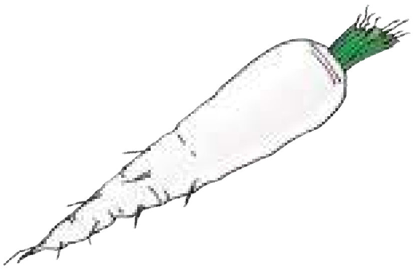

मूली

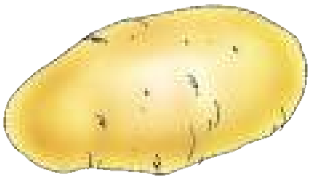

आलू

खीरा

प्याज

फूलगोभी

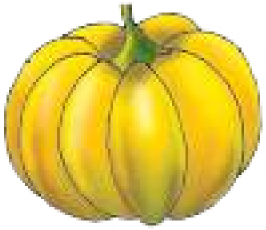

सीताफल

ककड़ी

करेला

f'k{kd d fy, – सब्ज़ियों के नाम, रंग व खाने से लाभ आदि पर चर्चा करें।

>ek&xkvk

(1)

बैंगन बोला सुन री ककड़ी,
कहाँ चली तू अकड़ी–अकड़ी।
तू तो है सूखी सी लकड़ी,
फिर भी चलती अकड़ी–अकड़ी।

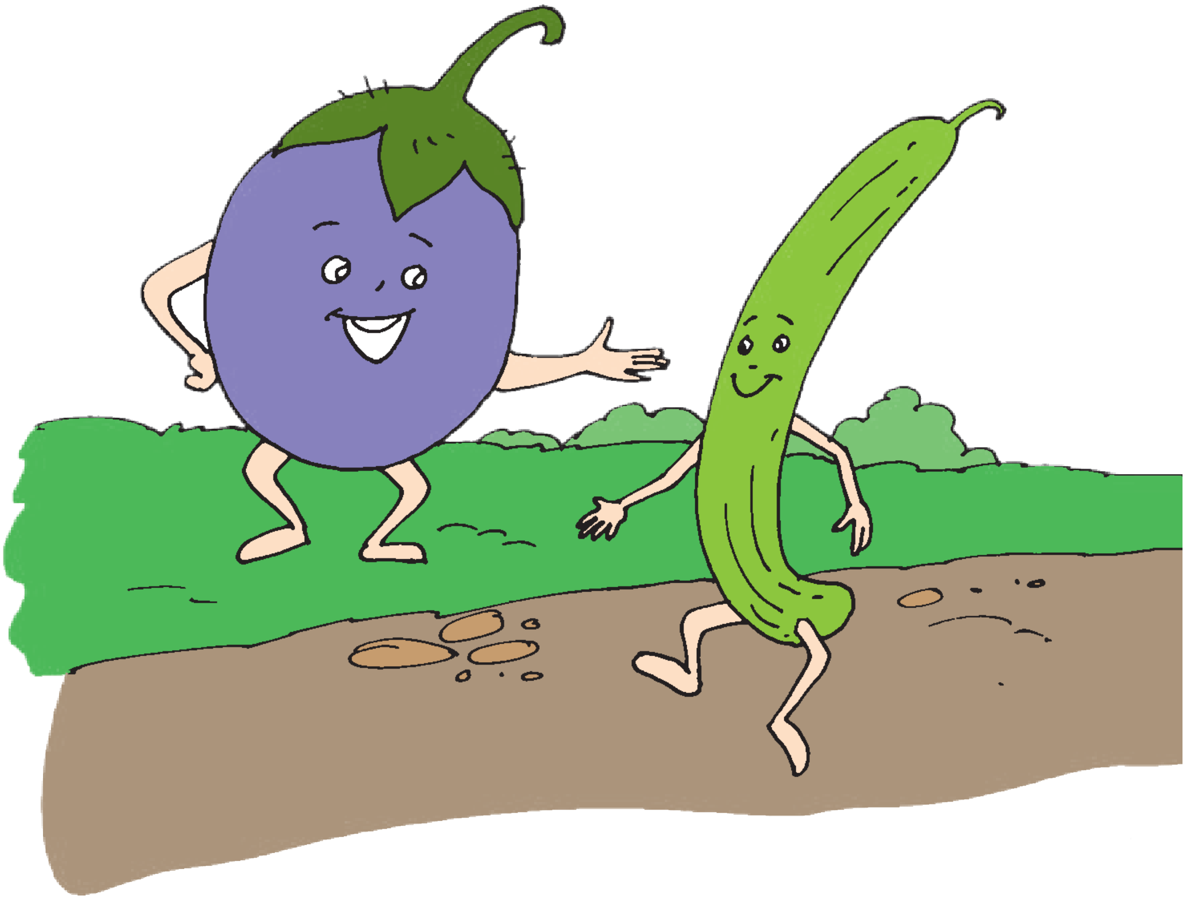

f'k{kd d fy, – बाल गीत गाने के बाद बच्चों से पूछें कि सब्जी बेचने वाला कैसी–कैसी आवाजें निकालकर सब्जी बेचता है। बच्चों को सब्जी बेचने वाले का अभिनय करने को कहा जा सकता है। यदि संभव हो तो बच्चों को प्रोजैक्टर की सहायता से ऐसे बाल गीत दिखाएँ जिसमें फल, सब्जियों व जानवरों के कार्टून चित्र दिखाए गए हो।

(2)

अहा! टमाटर बड़ा मज़ेदार,
इक दिन इसको चूहे ने खाया,
बिल्ली को भी मार भगाया।

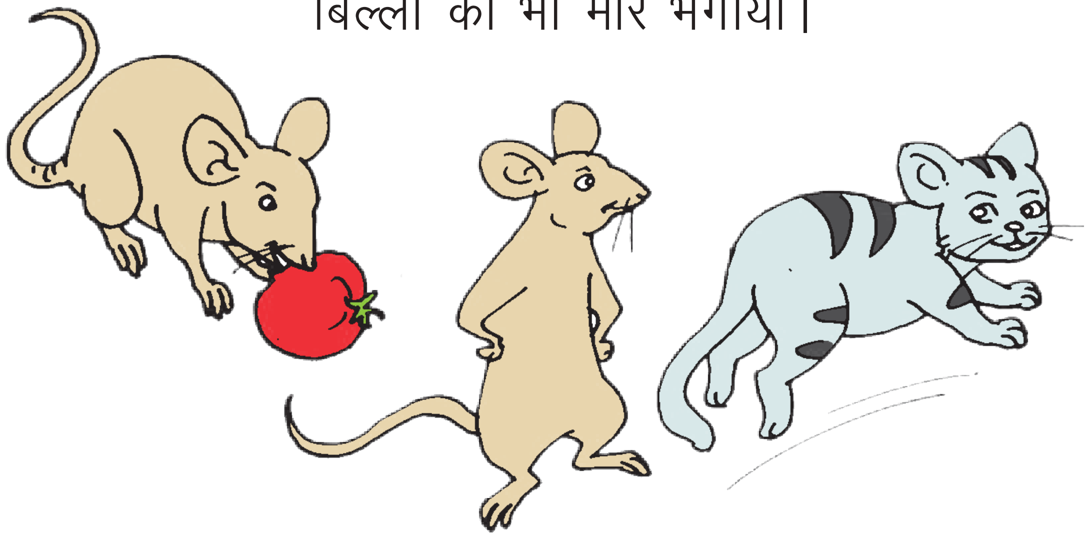

अहा! टमाटर बड़ा मज़ेदार,
इक दिन इसको चींटी ने खाया,
हाथी को भी मार भगाया।

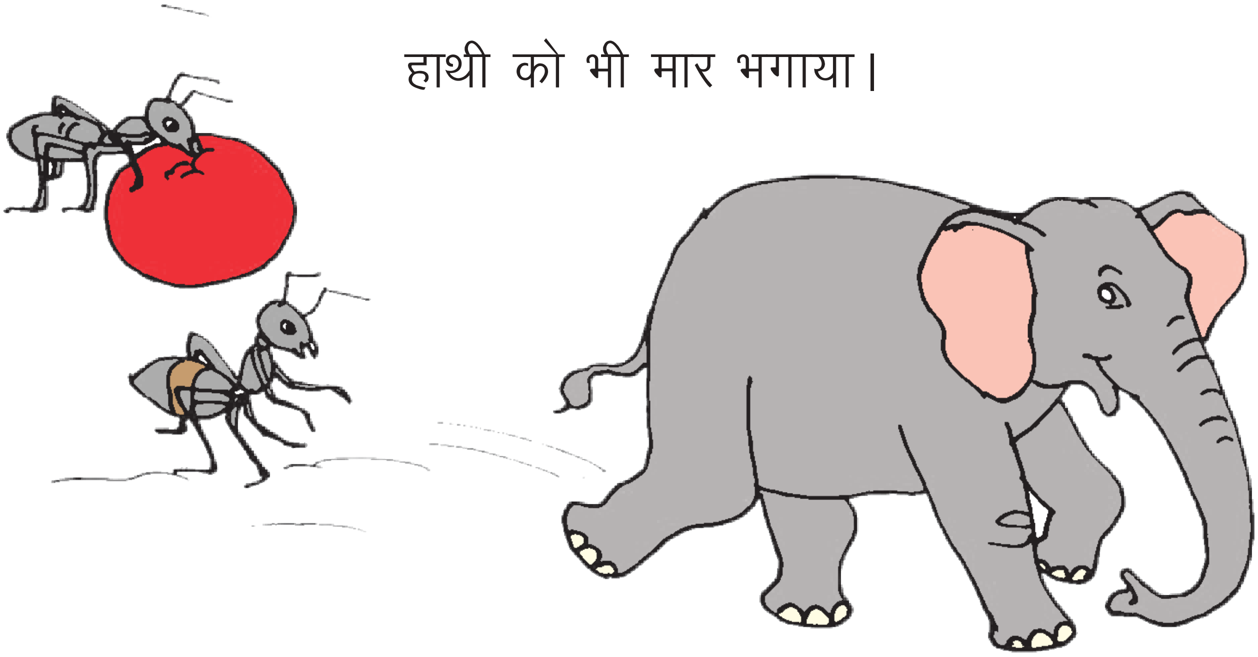

vkvk jax Hkjs

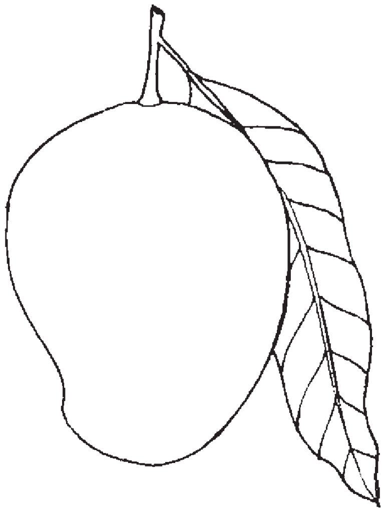
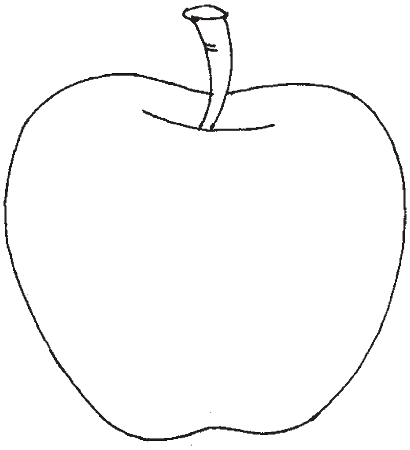

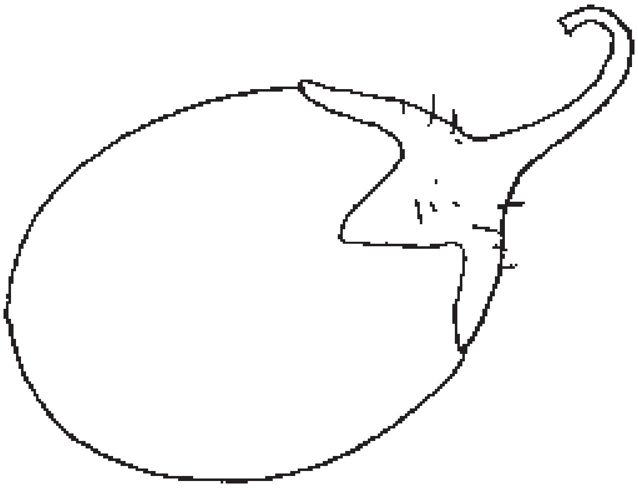
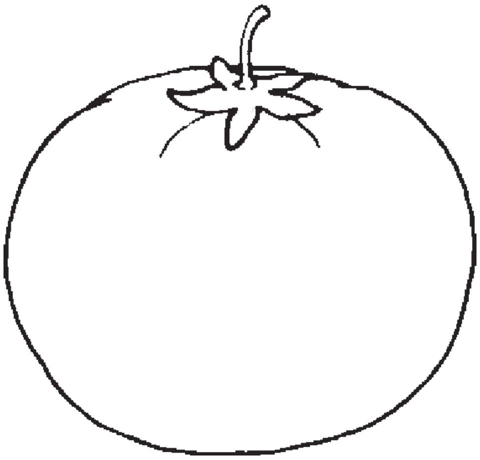

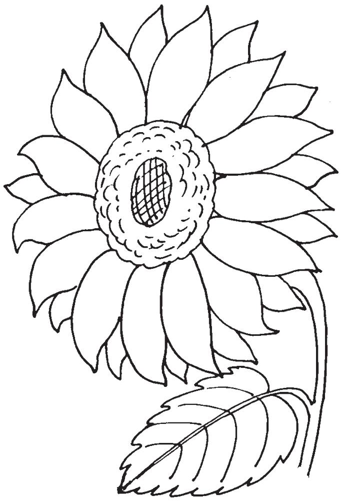
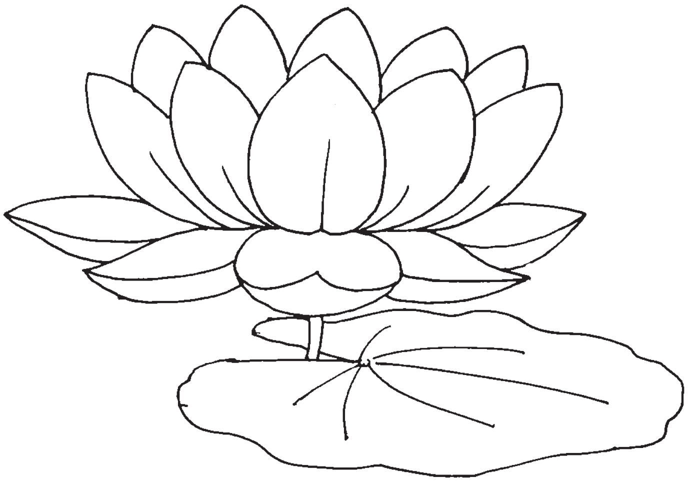

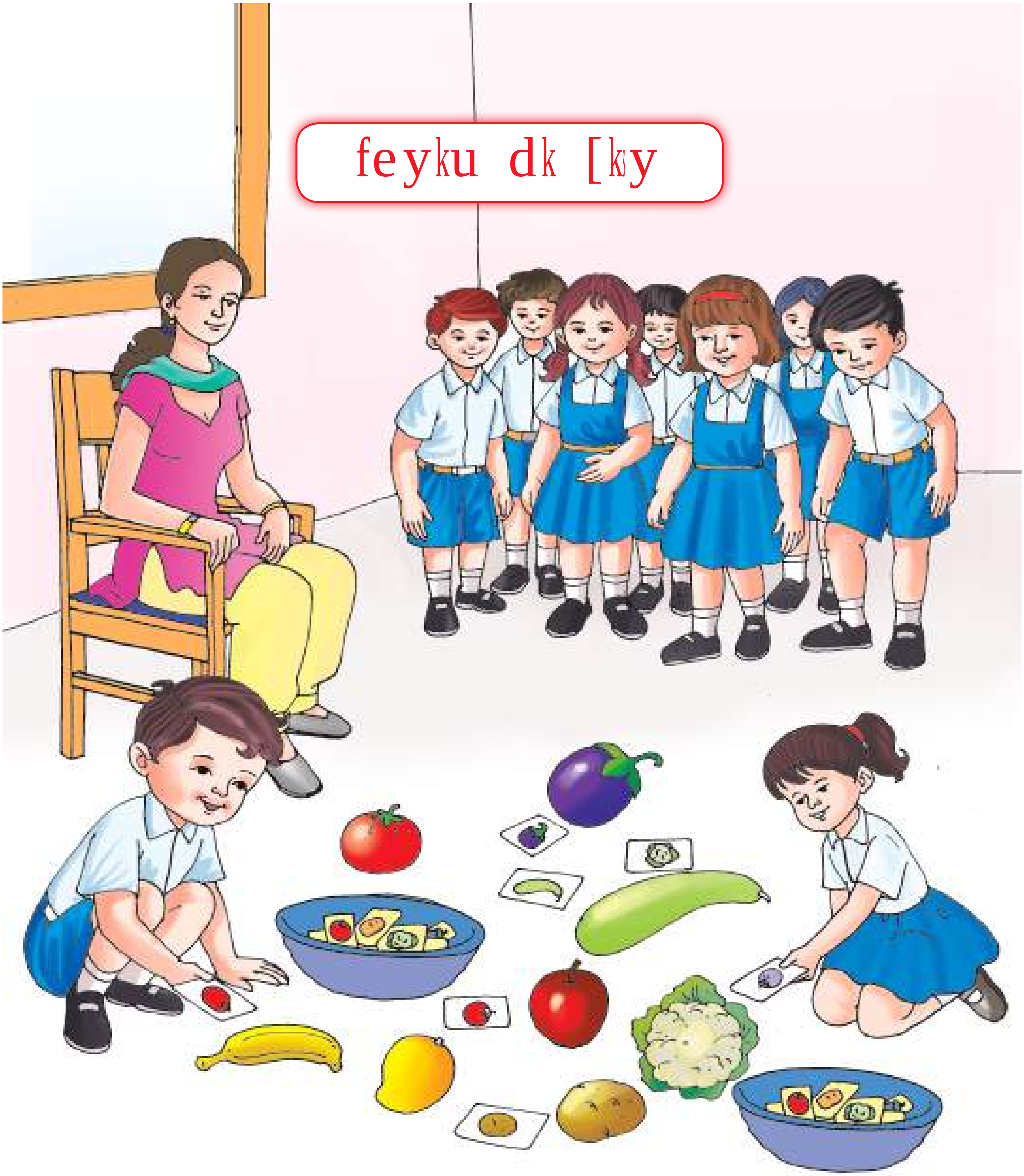

feyku dk [ky

f'k{kd d fy, – सब्जी और फल के चित्र कक्षा में एक किनारे ज़मीन पर फैला कर रख दें। इन्हीं फलों व सब्जियों के कार्ड दो टोकरियों में रख दिए जाएँ। बच्चों को दो समूहों में बाँटकर उन्हें एक, दो, तीन, चार, पाँच आदि नंबर देकर फिर कोई भी एक नंबर जैसे 'पाँच' को आगे बुलाएँ। दोनों समूहों से नंबर पाँच वाले बच्चे टोकरी से चित्रकार्ड निकालकर जमीन पर फैले फलों व सब्जियों के चित्रकार्ड से उनका मिलान करें। जिस समूह का बच्चा चित्र का मिलान कर जल्दी वापिस आए उसके लिए तालियाँ बजवाई जाए तथा दूसरे बालक को भी प्रोत्साहित किया जाए।

tkuojk dk [ky

जंगल में जानवर खेलते हैं,
खेलते हैं भई खेलते हैं,
हम भी खेलेंगे ऐसे। हम भी ....
खरगोश ऐसे उछलता है,
उछलता है भई उछलता है,
हम भी उछलेंगे ऐसे। हम भी ....
भालू ऐसे ठुमकता है,
ठुमकता है भई ठुमकता है,
हम भी ठुमकेंगे ऐसे। हम भी ....
हाथी ऐसे चलता है,
चलता है भई चलता है,
हम भी चलेंगे ऐसे। हम भी ....
बंदर खिर–खिर करता है,
करता है भई करता है,
हम भी करेंगे ऐसे। हम भी ....

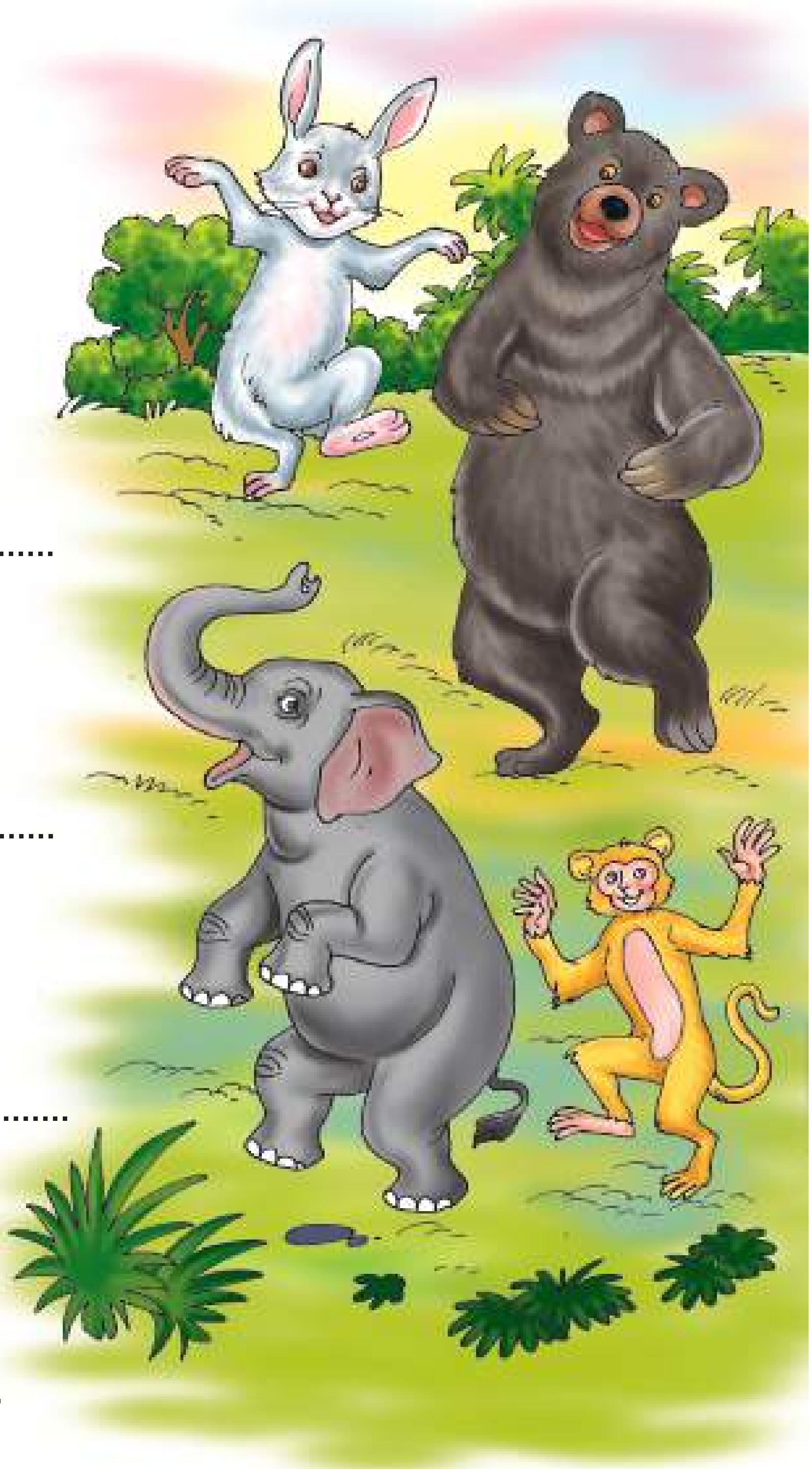

f'k{kd d fy, – बच्चों को जंगल के जानवरों से परिचित करवाने हेतु उपर्युक्त बालगीत को सामूहिक रूप से कक्षा में अभिनय सहित गाया जाए और कुछ अन्य जानवरों के नाम लेकर अभिनय करते हुए गीत को आगे बढ़ाएँ।

j|x&fcj|x| i{kh

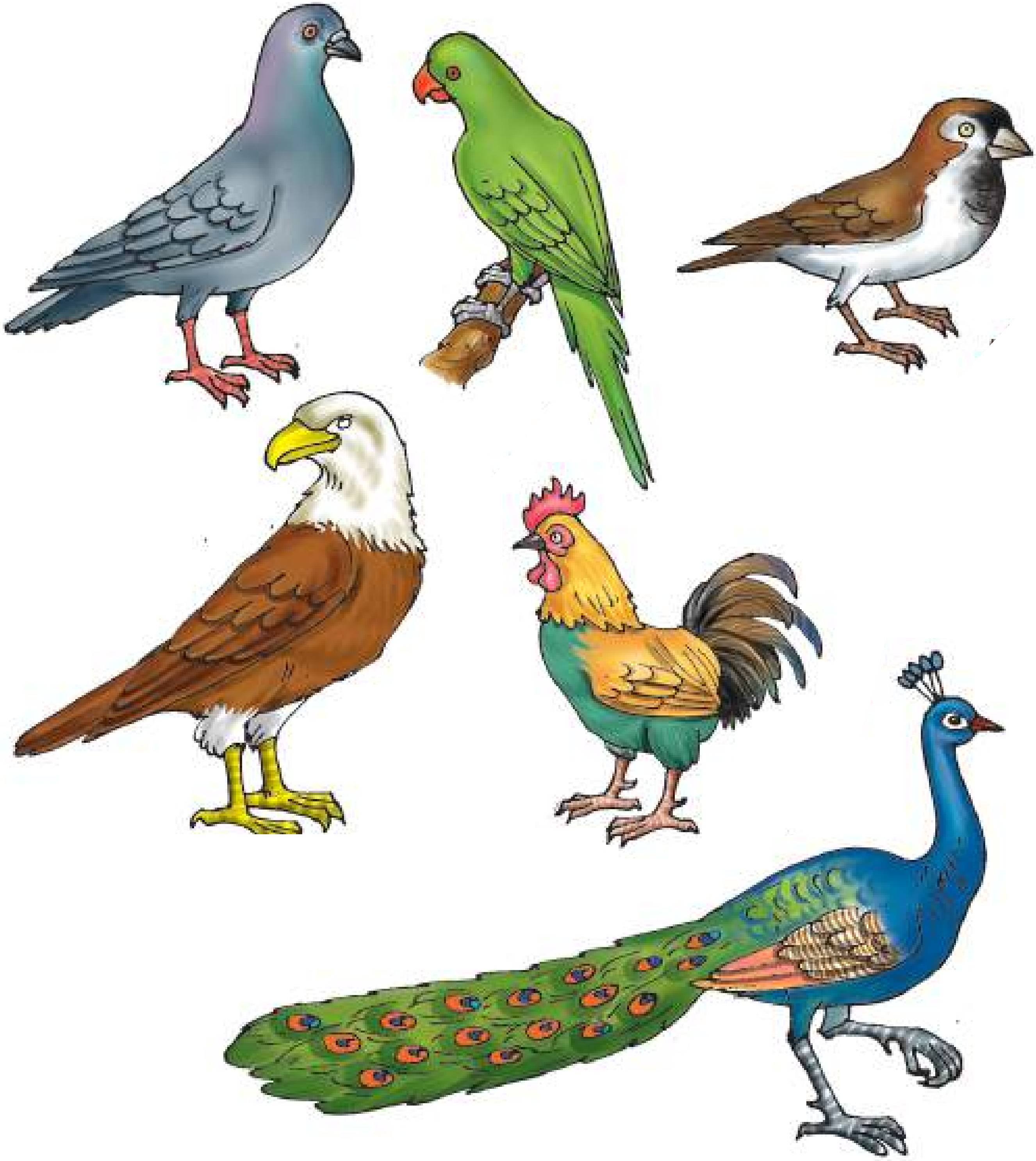

f’k{kd d fy, – प्रत्येक पक्षी पहचानने में बच्चों की सहायता करें। उनसे बातचीत करते हुए पता लगाए कि वे और कौन–कौन से पक्षियों को पहचानते हैं। पक्षियों की आदतों व खाने आदि के बारे में बातचीत करें।

vkvk [kys

चिड़िया उड़
तोता उड़
कबूतर उड़
मोर उड़
कौआ उड़
बगुला उड़
गाय उड़

f'k{kd d fy, – सभी बच्चों को अपनी एक उँगली जमीन पर रखने के लिए कहें फिर बच्चों को खेल खिलाते हुए बोलें– चिड़िया उड़। सभी बच्चे अपनी उँगली ऊपर उठाकर चिड़िया उड़ाने का अभिनय करें और इसी प्रकार अन्य पक्षियों का नाम लेने पर यही प्रक्रिया जल्दी–जल्दी दोहराई जाए। अध्यापक क्रम तोड़ते हुए अचानक कहे– गाय उड़, भैंस उड़ इत्यादि। ऐसा करने पर कुछ बच्चे अपनी उँगली ऊपर उठा सकते हैं जबकि कुछ उँगली जमीन पर ही टिकाए रहेंगे। इससे जहाँ एक ओर कक्षा में हँसी का वातावरण तैयार होगा वहीं दूसरी ओर अध्यापक बच्चों को उड़ने वाले और न उड़ने वाले जीवों के बारे में जानकारी दे सकेंगे।

gekjs ikyrw i'kq

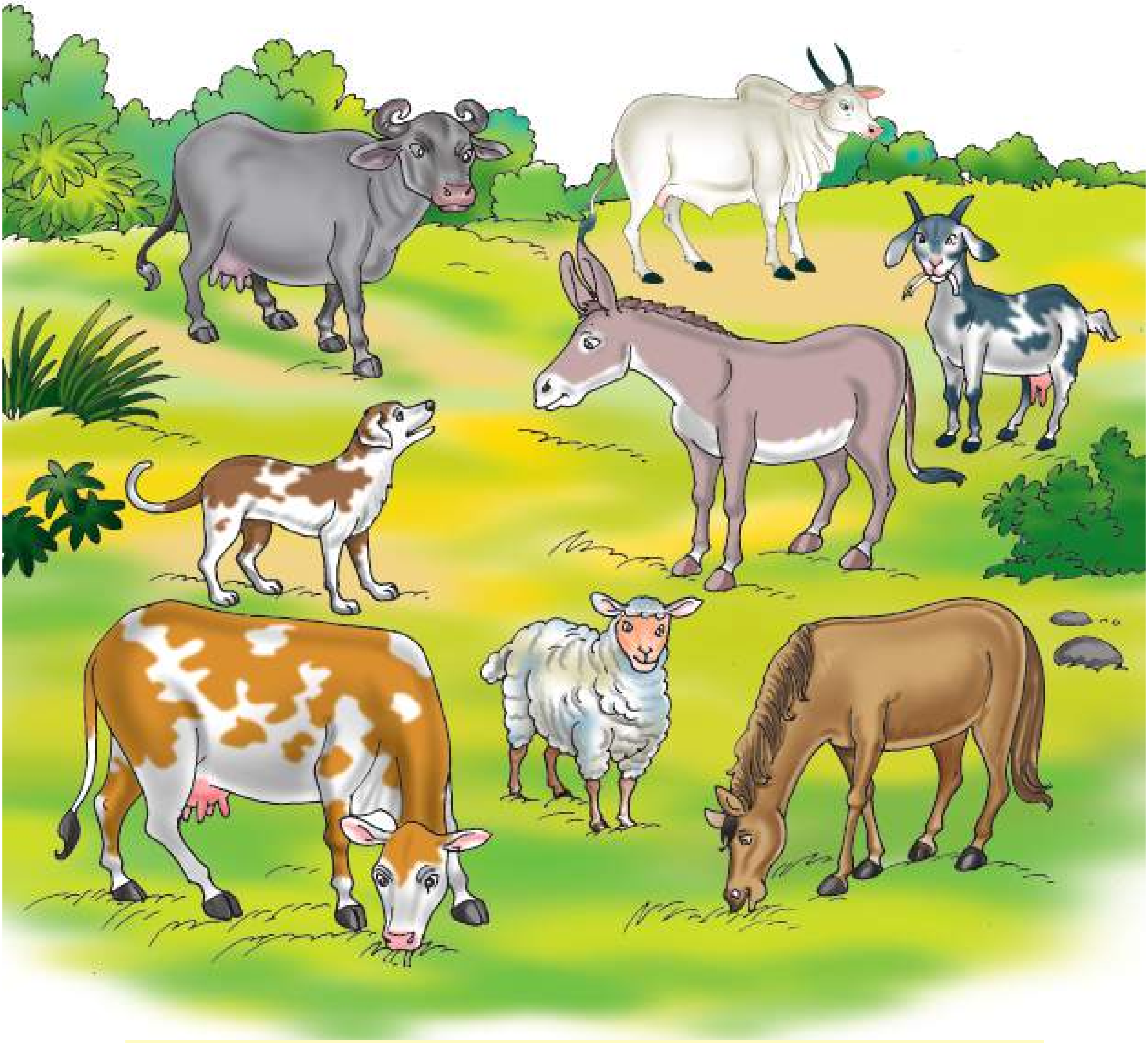

f'k{kd d fy, – बच्चों से चित्र में दिए गए पशुओं को पहचानने के लिए कहें तथा उन्हें प्रत्येक पशु की उपयोगिता के बारे में बताएँ।

;krk;kr d lk/ku

lj djkuk ftudk dke
ckyk D;k g budk uke

lkbfdy

fjD'kk

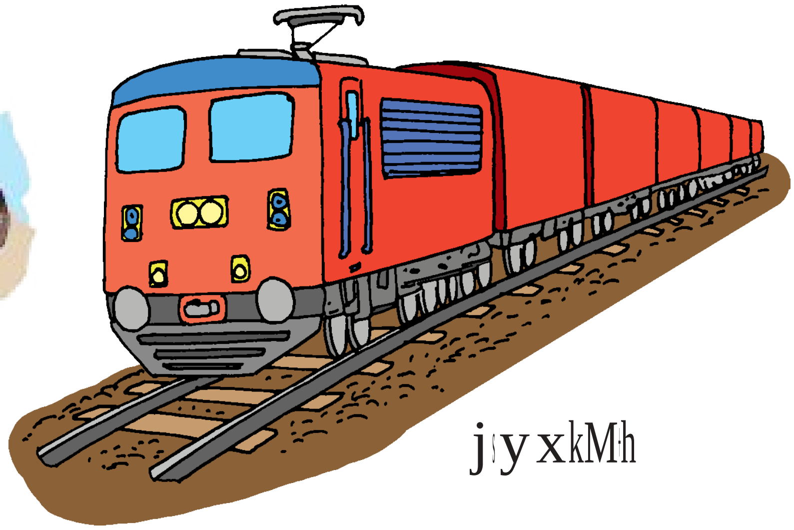

jsyxkMh

LdVj

dkj

cl

eVk jsy

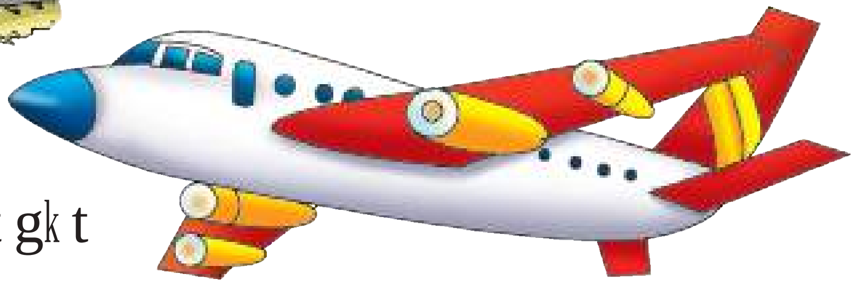

gokbl tgkt

f'k{kd d fy, – दिए गए चित्रों के साथ–साथ अन्य यातायात के साधनों के विषय में बच्चों से चर्चा करें।

nknk th vkj cnj ¼fp=dFkk½

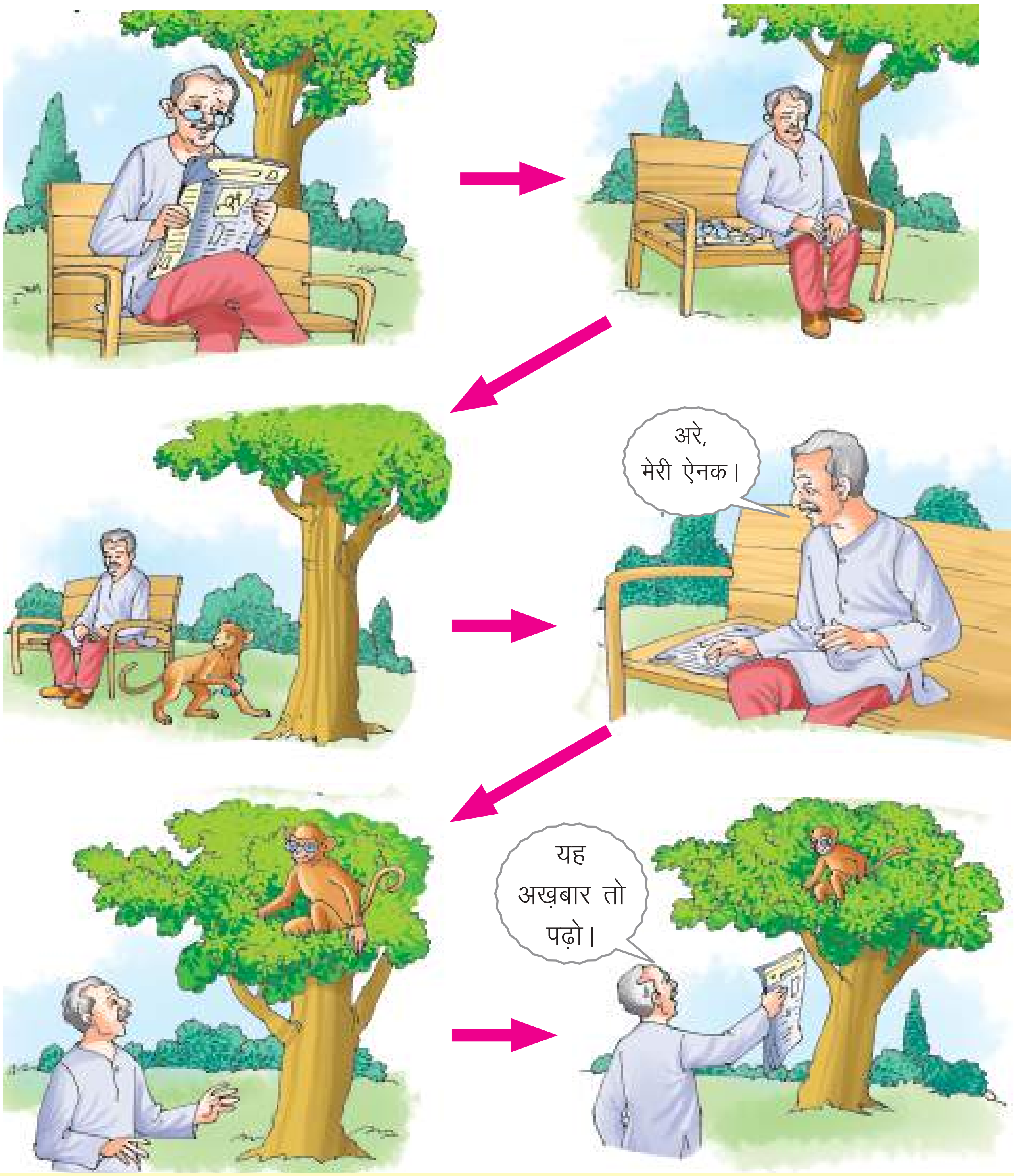

f'k{kd d fy, – चित्रों में क्या हो रहा है, बच्चों से उसकी चर्चा करें। चित्रों की सहायता से बच्चों को कहानी आगे बढ़ाने को कहें तथा प्रक्रिया के दौरान बच्चों को अपनी बात कहने की स्वतंत्रता दें।

>ek&xkvk

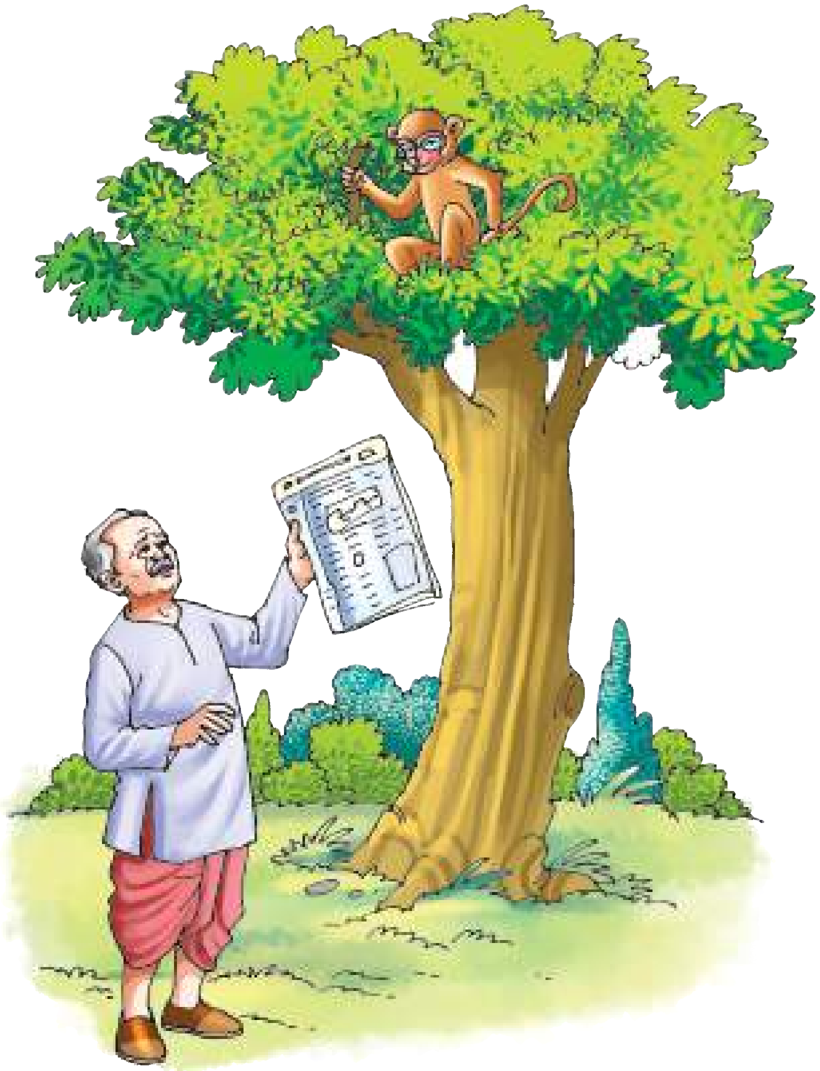

आया जो अखबार लपककर,
दादाजी ने लपका।
बोले – बच्चू, बाट तुम्हारी,
देख रहा था कब का ?
लेकिन तभी हो गया झटपट,
ऐसा एक करिश्मा।
बंदर झट ले गया उठा के,
दादा जी का चश्मा।
बिन चश्मे के दादा कैसे,
पढ़ पाएँ अखबार ?
ऊपर से बाज़ार बंद है,
दिन ठहरा रविवार।

fcn feykvk
p’ek cukvk

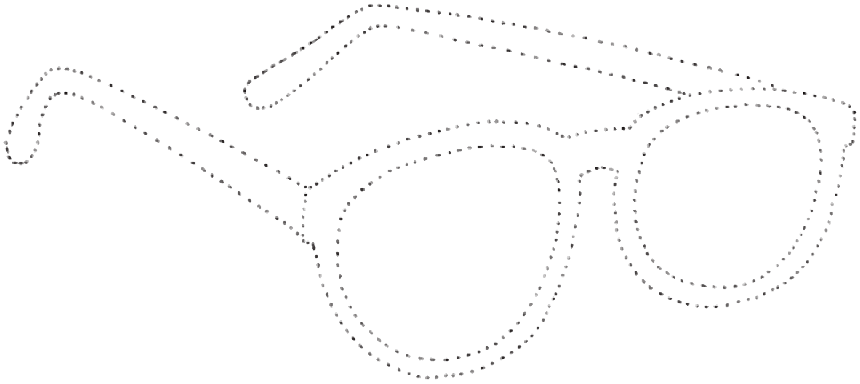

f’k{kd d fy, – बच्चों से लय व अभिनय के साथ सामूहिक रूप से कविता गायन करवाएँ।

आपने कितना सीखा

1. शिक्षक निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर बच्चों से इनका उत्तर पूछें:

- तुम्हारा पूरा नाम क्या है?
- तुम्हारे दादाजी का क्या नाम है?
- अपने पिताजी की माता को तुम क्या कहकर बुलाते हो?
- सुबह उठने के बाद तुम सबसे पहले क्या करते हो?
- स्कूल आने के बाद तुम क्या करते हो?
- खाना खाने से पहले तुम क्या करते हो?
- रात को सोने से पहले तुम क्या करते हो?
- ऐसी कौन–सी चीजें हैं, जो गाँव और शहर दोनों जगह दिखाई देती हैं?

2- iR;sd leg esa tks vyx gS mls ij xksyk yxk,A

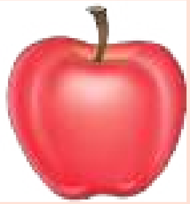

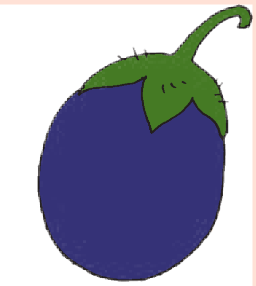
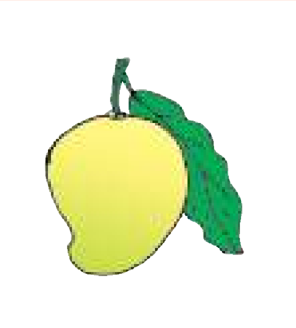

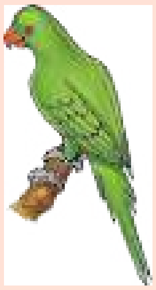

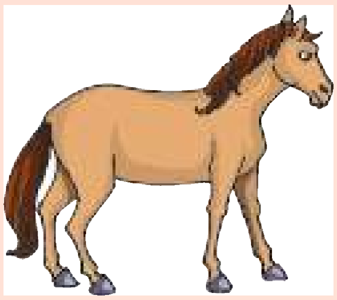

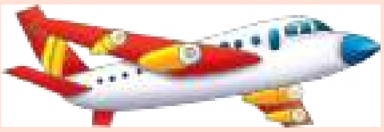

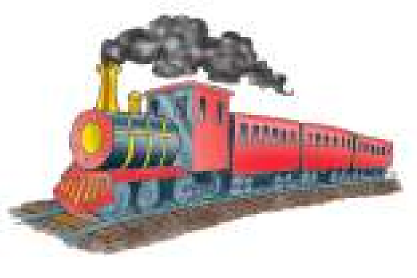

bdkbZ 5

लिखने की तैयारी

ejk iUuk

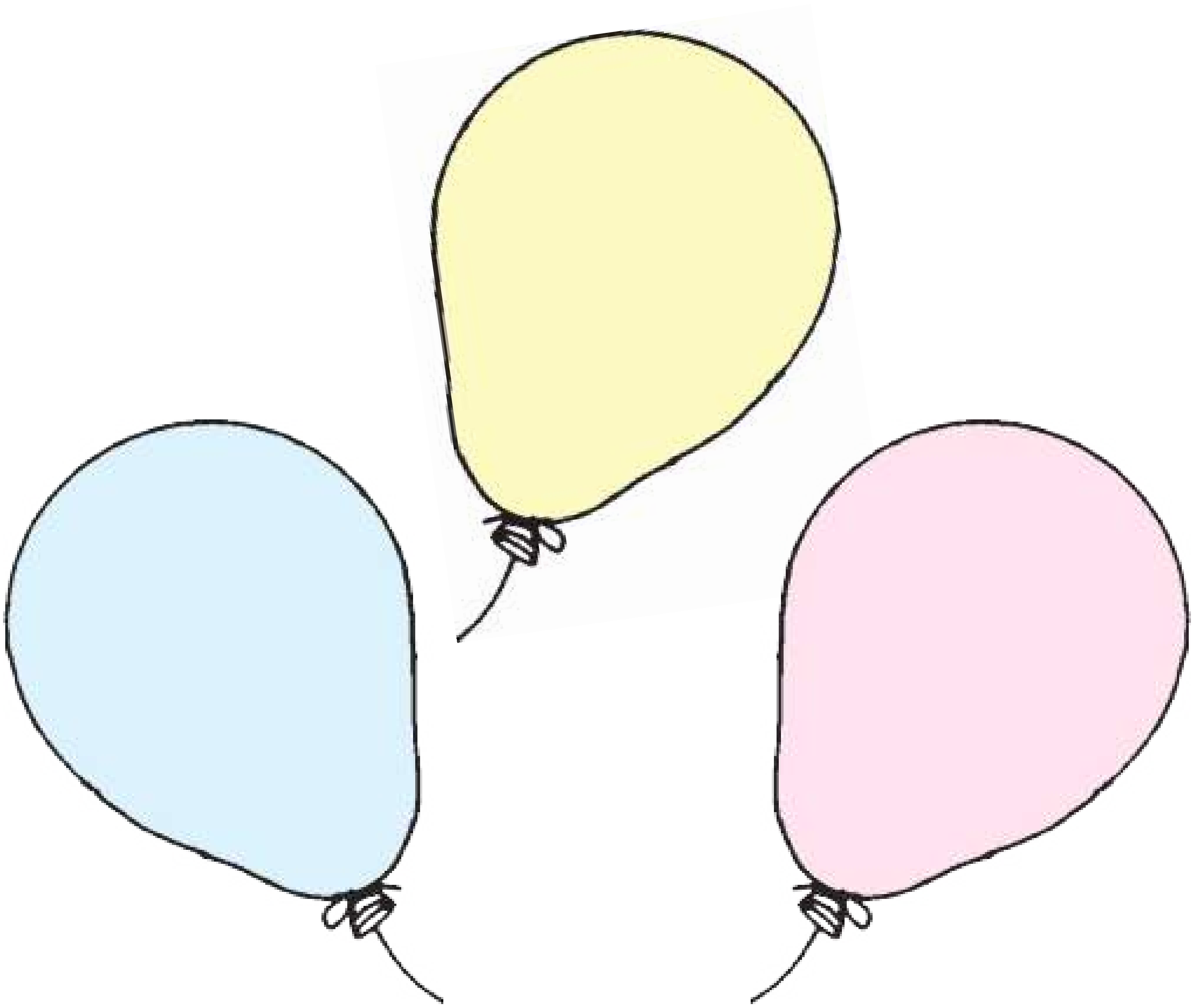

f'k{kd d fy, – बच्चों को गुब्बारे के अंदर पैंसिल से मनचाही रेखाएँ खींचने के लिए स्वतंत्र छोड़ें।

fcn feyk, vkj jx Hkj

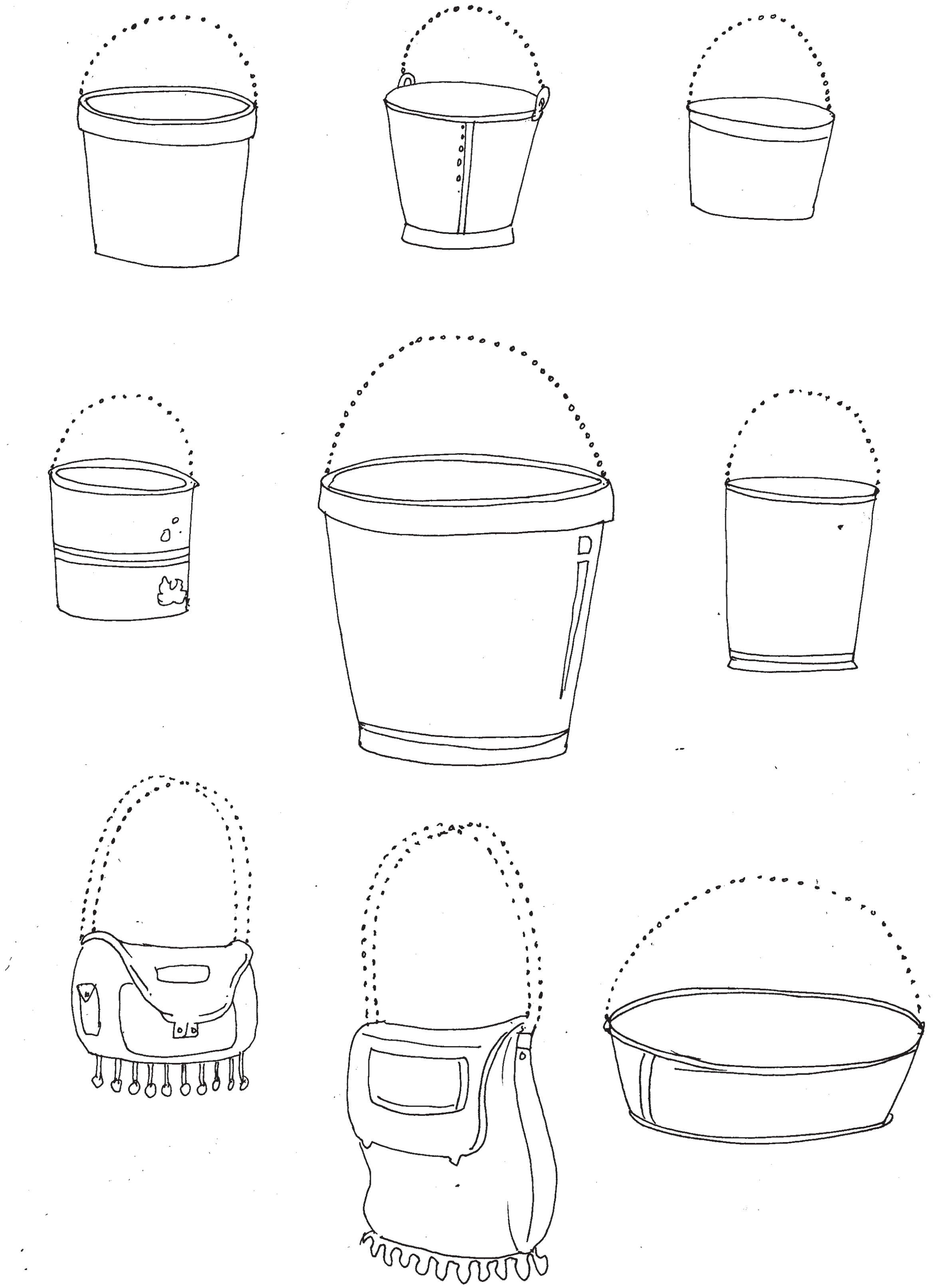

eksj dh dyxh

fcanq feykdj dyxh cuk,¡ vkSj jax HkjsaA

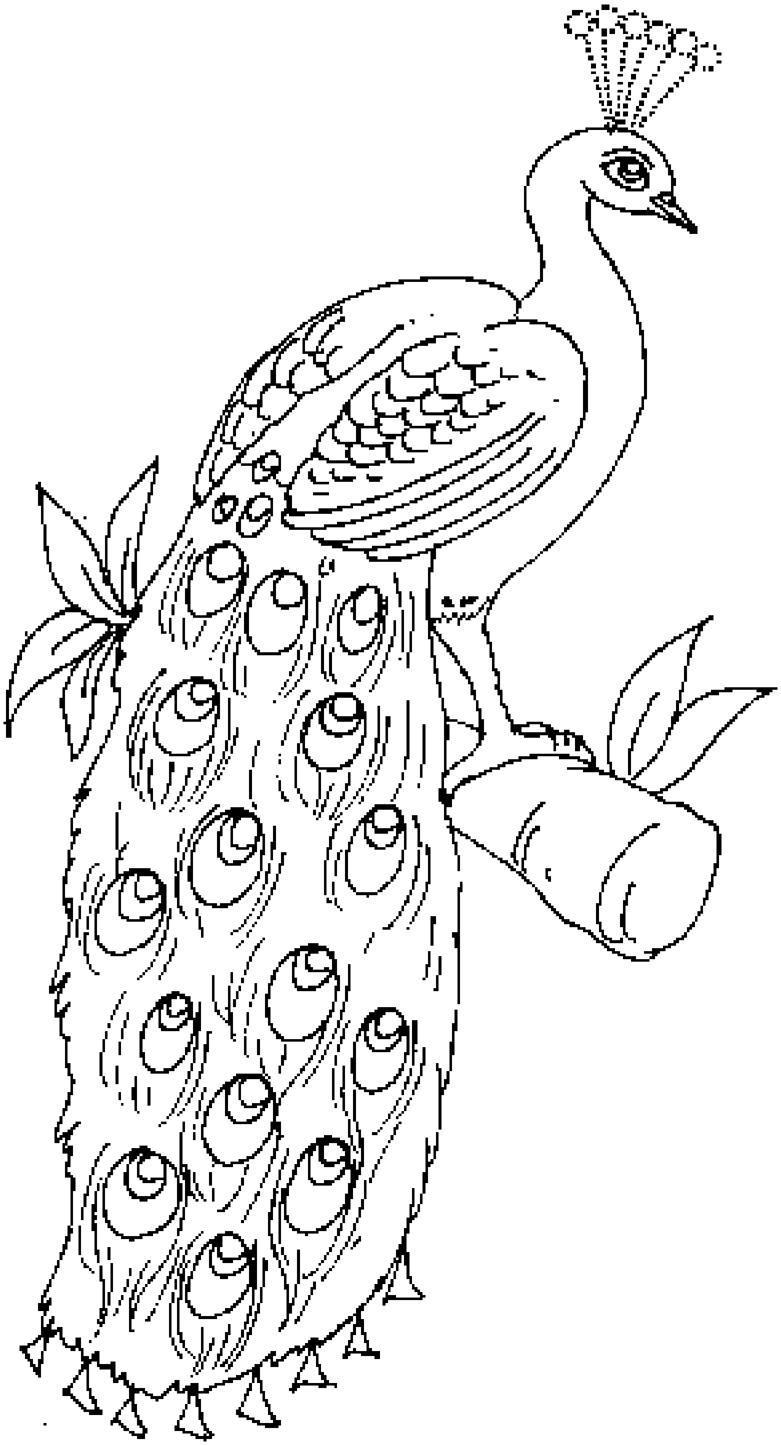

>ek&xkvk

दादाजी का चश्मा गोल,
दादीजी का चरखा गोल।
मम्मीजी की चूड़ी गोल,
एक रुपये का सिक्का गोल,
चंदा गोल, सूरज गोल,
सारी दुनिया गोलम–गोल।

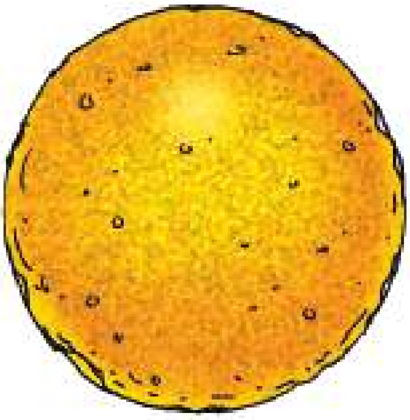

f’k{kd d fy, – बच्चों से हाव–भाव के साथ गीत गाने को कहें तथा गोल चीजों के बारे में चर्चा करें।

bdkbZ 6

वर्णों की पहचान

6L4RL6

igpku vkj feyk,¡

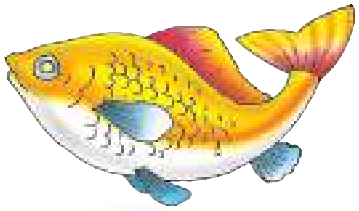

e

c

बिल्ली मौसी बोली,
म्याऊँ–अc आऊँ,
दूध eलाई खाऊँ।
चूहा बोला टा–टा मौसी,
मैं vब घर को जाÅ¡।

v

Å

f'k{kd d fy, – अक्षरों का सही उच्चारण करने तथा समान अक्षरों का मिलान करने में सहायता करें। यदि संभव हो तो वर्णमाला गीत की सी.डी. कक्षा में दिखाएँ।

<<- vkj xkyk yxk,&

v

अदरक   अमरूद   अचकन

Å

ऊपर   ताऊ   ऊँचा

e

मगर   कमल   कलम

c

बत्तख   रबड़   किताब

n[k vkj fy[k&

अ ....

ऊ ....

म ....

ब ....

igpku vkj feyk,

m

x

mल्लू की हैं आँखें xोल,
ऊन का गोला गोल–मटोल।
ऐनक के शीशे भी गोल,
गेंद भी होती गोy–मVोल।

y

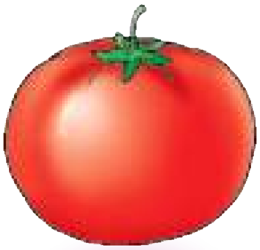

V

<< vkj xkyk yxk,&

x

गन्ना कागज धागा

y

लड़की पालक झूला

V

टहनी मटर मटका

m

उल्लू उतरन उधार

n[k vkj fy[k&

ग

ल

ट

उ

igpku vkj feyk,

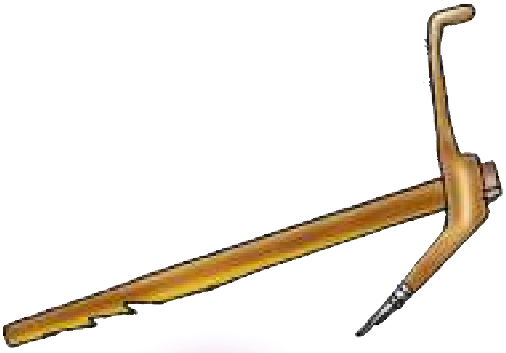

g

o

gवा चली भई हoा चली,

ठंडी–ठंडी हवा चली।

देखो करती खूब fBठोली,

पेड़ बनें इसके हम tोली।

B

t

<ï vkj xkyk yxk,¡&

g

रहट हलवाई सुबह

o

वट भवन कलरव

B

ठेला डंठल लाठी

t

जल अजगर कागज

n[k vkj fy[k&

igpku vkj feyk,

"k

'k

अपना भारतव"k महान,

>ंडा है इस दे'k की शान।

पढ़ो–लिखो और Kान बढ़ाओ,

अपने देश का मान ब<़ाओ।

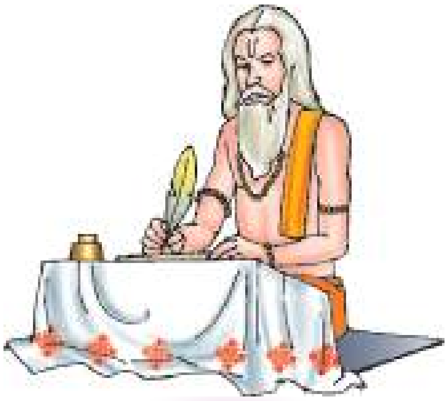

>

<+

K

<‹ vkj xkyk yxk,&

"k

विशेष षट् विषय

'k

वेश शहर शहद

>

झटपट उलझन झिलमिल

K

यज्ञ विज्ञान ज्ञान

<‹

मढ़ना चढ़ना पढ़ाई

n[k vkj fy[k&

igpku vkj feyk,¡

{k

=

वृ{k हमें छाया हैं देते,
बnले में वे कुछ ना लेते।
हम वृक्षों को मि= ही मानें,
गु.k इनके gम सब पहचानें।

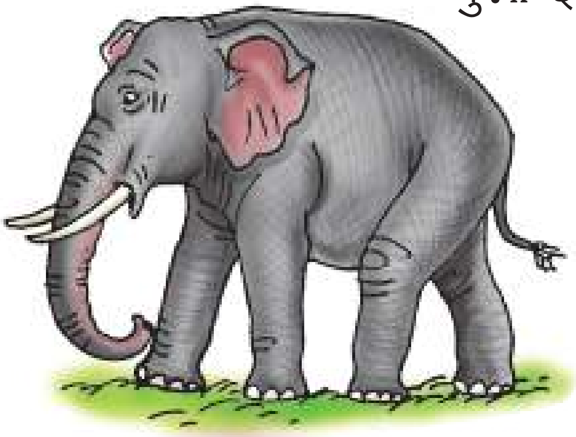

g

.k

n

<|< vkj xkyk yxk,|&

{k

क्षत्रिय	कक्षा	क्षण

=

मित्र	पत्र	त्रिशूल

g

हल	रहट	नहर

n

दरजी	दलिया	सरदी

.k

कृपाण	त्रिकोण	ऋण

n[k vkj fy[k&

क्ष ....

त्र ....

ह ....

द ....

igpku vkj feyk,

<

N

पायल बजती Nम–छम–छम,

Mमरू बाजे डम–डम–डम।

ढम–ढम–ढम–ढम <ोल बाजे,

rा–थई–ता–थई नाचे हम।

r

M

<< vkj xkyk yxk,&

<

ढोलक	ढपली	मेंढक

N

छाज	कछुआ	रीछ

r

किताब	शरबत	तमाशा

M

डाली	डलिया	निडर

n[k vkj fy[k&

ढ ....

छ ....

त ....

ड ....

igpku vkj feyk,

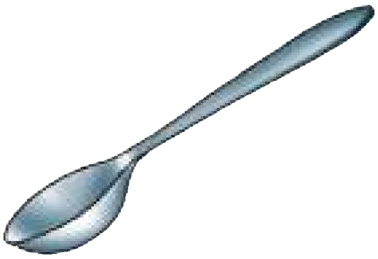

p

;

pने ढूँढ़कर बंदर ला;ा,
चक्की पर उनको पिसवाया।
jोटी चार बनाई उनसे,
चबा–चबाdर उनको खाया।

j

d

<+ vkj xkyk yxk,&

p

चहक कचरा मचल

;

यश गाय यज्ञ

j

रबड़ कसरत शहर

d

कलम चमक महक

n[k vkj fy[k&

च

य

र

क

xje&xje jksVh

आटा गूँधा, लोई बनाई,
फिर बेलन से गोल घुमाई,
गरम तवे पर खूब पकाया।
चिमटे से फिर उसे उठाया,
गरम–गरम वह हमने खाई।

funs’k & jksVh cukus dk lgh Øe lkpdj fn, x, fp=ksa d uhps 1] 2] 3 fy[ks &

>ek&xkvk

डम डम, डम डम,
डम डम, डम डम,
बाजे डम डम,
बोलो क्या?

छम छम, छम छम,
छम छम, छम छम,
बाजे छम छम,
बोलो क्या?

टन टन, टन टन,
टन टन, टन टन,
बाजे टन टन,
बोलो क्या?

पौं पौं, पौं पौं,
पौं पौं, पौं पौं,
बाजे पौं पौं,
बोलो क्या?

छुक छुक, छुक छुक,
छुक छुक, छुक छुक,
बोले छुक छुक,
बोलो क्या?

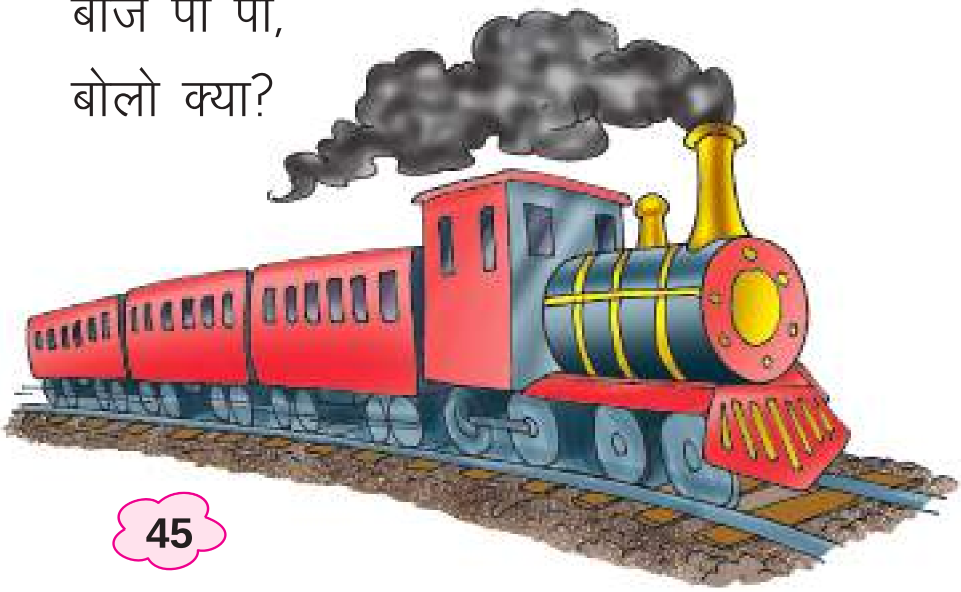

igpku vkj feyk,¡

Hk

Q

Hkालू आया, भालू आया,
नाच दिखाता भालू आया।
[kरगोश lड़क पर दौड़ लगाता,
Qल सब्जी खुश होकर खाता।

[k

l

<|< vkj xkyk yxk,|&

Hk

भगत	भाई	भँवरा

Q

सफल	साफ	फसल

[k

खेत	खीर	खुशबू

l

सरल	सफल	फसल

n[k vkj fy[k&

भ ....

फ ....

ख ....

स ....

igpku vkj feyk,¡

?k

M+

एक ?kड़ा, भाई एक घMा,

घड़े में था कुछ पानी भरा।

iानी तो था Fkोड़ा सा,

कौआ पीकर कैसे उड़ा ?

i

Fk

<ú vkj xkyk yxk,¡&

?k

घेवर | बाघ | राघव

M+

सड़क | पहाड़ | लड़का

i

पहाड़ | कपड़ा | कप

Fk

हाथ | रथ | मथना

n[kks vkSj fy[kks&

घ ....

ड़ ....

प ....

थ ....

igpku] feyk,¡ vkSj cksy

[kरगोश

j

eछली

?k

jथ

r

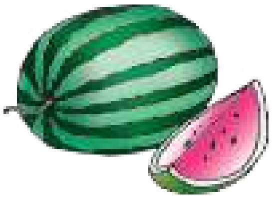

rरबूज

e

eटर

rराजू

[k

dलम

d

?kड़ी

vkvks dy'k ltk,¡

?kM+s ij cukbZ xbZ ltkoV ij jaxhu isafUly ?kqek,¡A

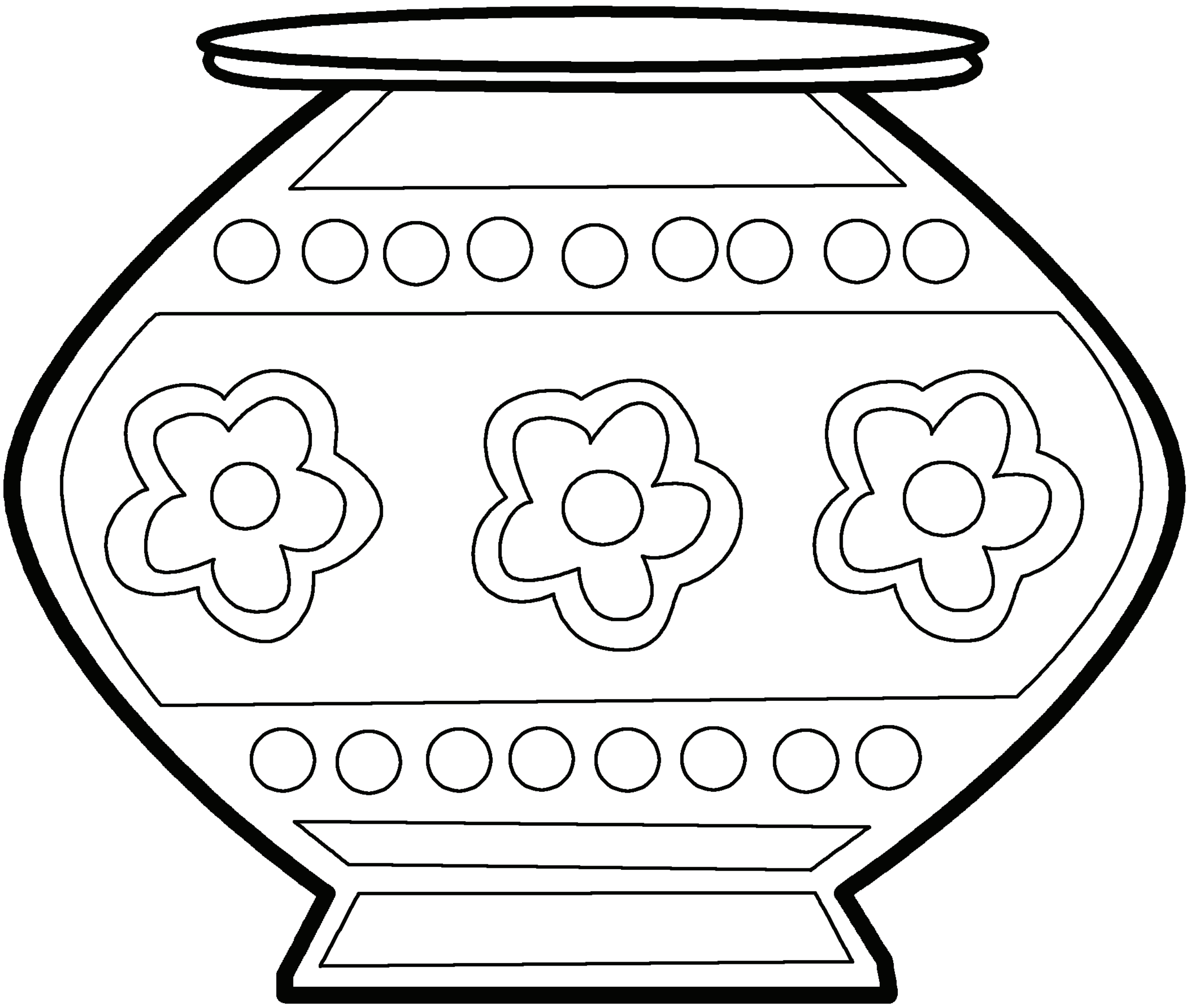

>ek&xkvk

हैया हो हैया, हैया हो हैया,
पानी में तैरे देखो, छोटी–सी नैया।
चप्पू चलाना, तुम धीरे से भैया,
धीरे–धीरे जाए देखो, छोटी–सी नैया।

o.kekyk

v vk b bl m Å _ , ,s

vks vkS va v%

d [k x ?k ³

p N t > ´

V B M < .k M+ <+

r Fk n èk u

i Q c Hk e

; j y o

'k "k l g

{k = K J

bdkbZ 7

वर्णों का मेल

xfrfofèk% i< vkj crk,

u, 'kCn cuk,

अध्यापक वर्णों की पर्चियाँ बनाकर एक बॉक्स में डालें और शब्द निर्माण की गतिविधि के लिए प्रत्येक बच्चे को बारी–बारी से एक–एक पर्ची चुनने के लिए कहें। अब शब्द बनवाने के लिए किन्हीं दो बच्चों को आगे बुलाएँ जिनकी पर्चियों पर लिखे वर्णों के मेल से सार्थक शब्द बनता हो। जैसे– जिस बच्चे के पास 'क' वर्ण वाली पर्ची है, उसे आगे बुलाकर खड़ा किया जाए। बच्चों से कागज पर लिखे मोटे वर्ण को पढ़ने के लिए कहा जाए तो बच्चे उसे *d* पढ़ेंगे। ऐसे ही *i* वर्ण वाले बच्चे को आगे बुलाकर उसका उच्चारण करवाया जाए। अब 'क' और 'प' पर्ची वाले बच्चे को सटाकर खड़ा किया जाए और बच्चों से पूछें कि दोनों वर्णों को जोड़कर क्या बना? बच्चे इसे कप बोलेंगे। इसी प्रकार अन्य बच्चों को बारी–बारी से बुलवाकर शब्दों का निर्माण करवाया जाए। इस गतिविधि द्वारा बच्चे खेल ही खेल में वर्णों के मेल से शब्द बनाने में अभ्यस्त हो जाएँगे।

ज+ग = जग

फ+ल = फल

आओ मिलकर खेलें खेल
दो वर्णों का कर दें मेल

न+ल = नल

घ+र = घर

vkb, fy[ksa&

ट+ब = ------

व+न = ------

ब+स = ------

र+थ = ------

ज+ल = ------

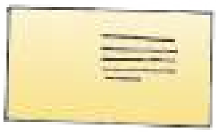

ख+त = ------

छ+त = ------

क+प = ------

फ+ल = ------

vkbl vc i<us dh ckjh&

रथ	वर	छल	चर	डग	सब	कल
नग	हर	जब	दम	अब	तब	नर
नस	कब	हम	जन	नम	चख	दस

?kM+s e¡ fn, x, o.kk± dh lgk;rk l ‘kCn cukb,&

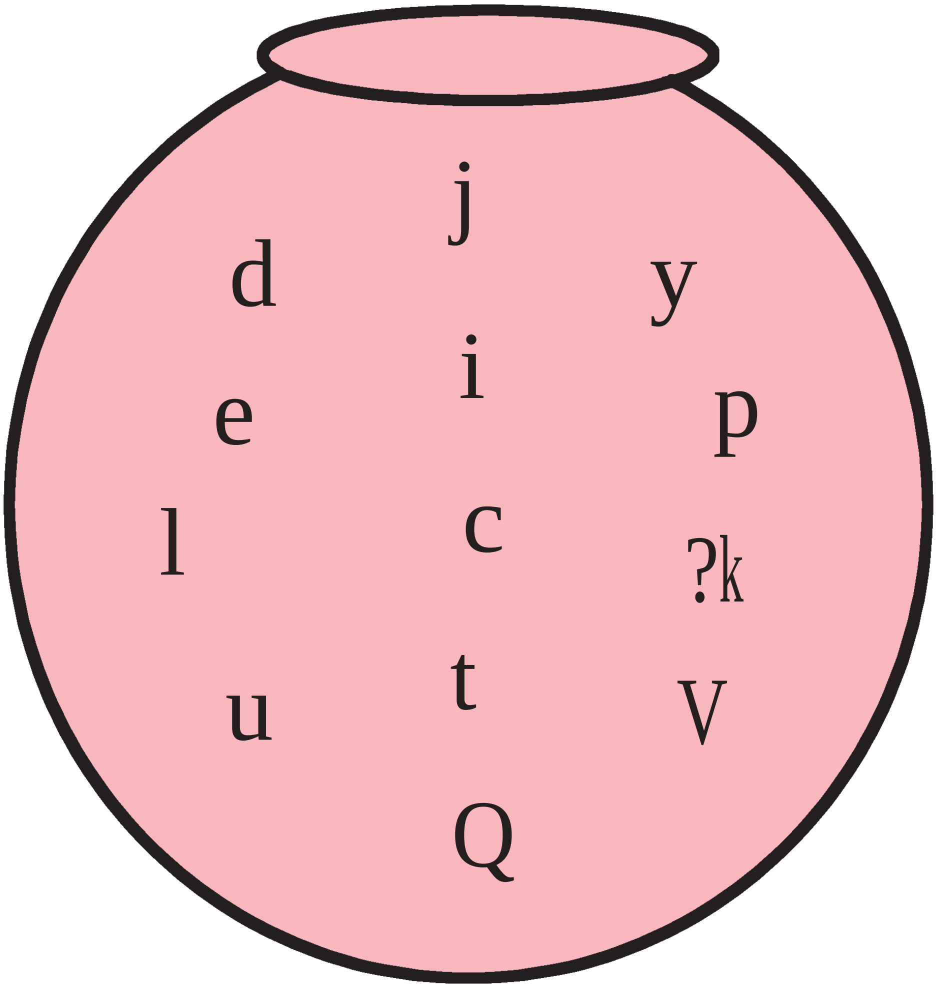

फ+ल = फल

f’k{kd d fy, – किसी वर्ण का आवश्यकतानुसार एकाधिक बार प्रयोग किया जा सकता है।

nks o.kksa d esy dk gks x;k Kku
vkvks djsa rhu o.kksa d esy dh igpku

न+म+क = नमक

भ+व+न = भवन

rhu o.kksa dk esy

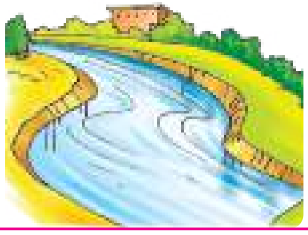

न+ह+र = नहर

ह+व+न = हवन

'kCn cuk,¡&

स+ड़+क = __________ फ+स+ल = __________

म+ग+र = __________ म+ट+र = __________

उ+छ+ल = __________ म+ह+ल = __________

श+ह+र = __________ ब+ह+न = __________

'kCnksa dk i<+ &

शहद	पलक	समय	चमक	खनक
तरल	उड़द	डगर	पकड़	लपक
कलम	महक	सहन	टपक	गटक
भनक	चमन	रहट	लटक	सरल

देखो तीन वर्णों का खेल
अब करो चार वर्णों का मेल

अ+ज+ग+र=अजगर

अ+द+र+क=अदरक

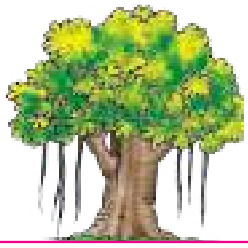

ब+र+ग+द=बरगद

श+र+ब+त=शरबत

स+र+क+स=सरकस

क+स+र+त=कसरत

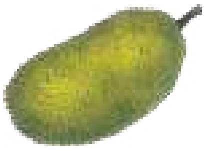

क+ट+ह+ल=कटहल

थ+र+म+स=थरमस

उ+प+व+न=उपवन

शब्दों को पढ़ें –

चमचम	पतझड़	शलगम	बरतन	गरदन
मलमल	टमटम	पनघट	हरदम	पलटन
झटपट	दलदल	हलचल	करवट	खटमल
जगमग	झटपट	अचकन	सरहद	गदगद

>ek&xkvk vkj jx Hkjk

हाथी राजा बहुत बड़े,
सूँड हिलाते कहाँ चले।
मेरे घर भी आओ ना,
हलवा पूरी खाओ ना।
मेरे दोस्त बन जाओ ना,
मेरे दोस्त बन जाओ ना।

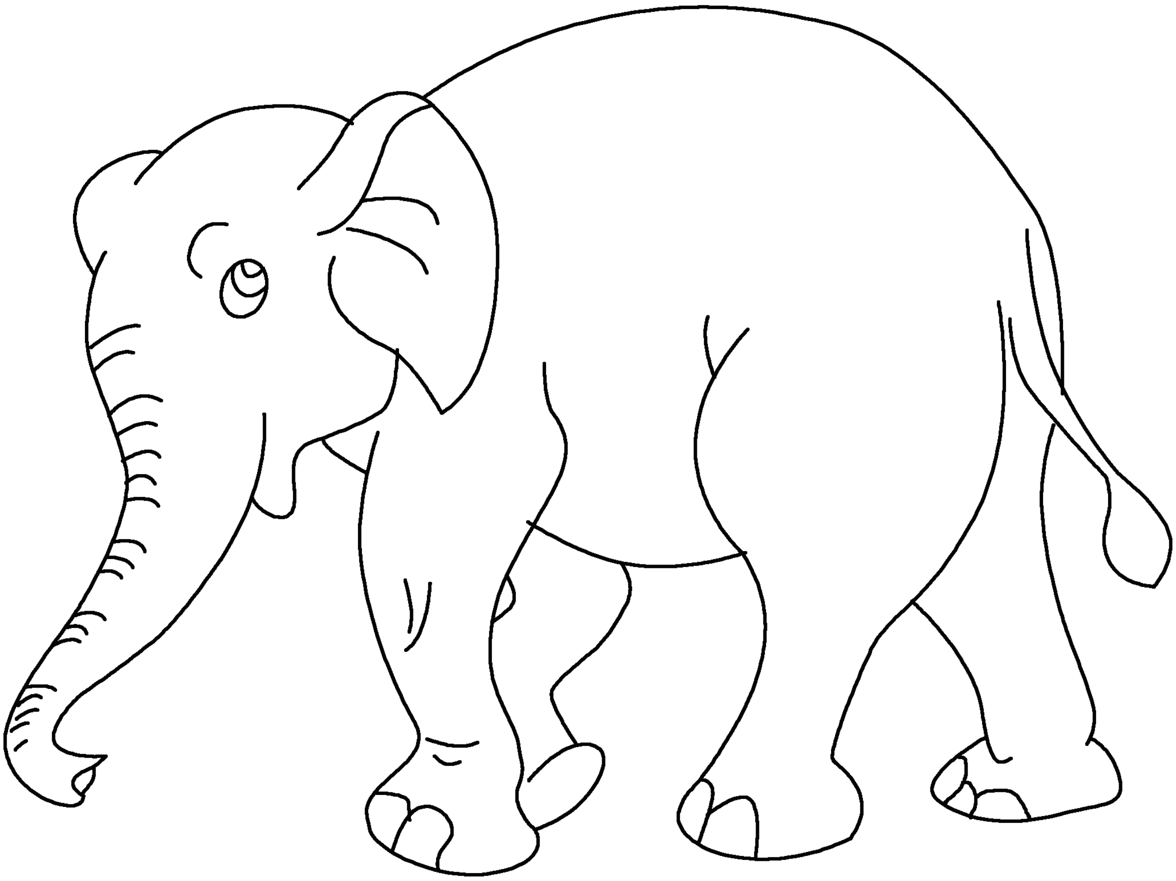

f'k{kd d fy, – बच्चों को हाव–भाव के साथ गाने को कहें।

Lojekyk

अ–आ, इ–ई खेल रहे थे,
उ–ऊ, ऋ के साथ।
ए–ऐ, ओ–औ भी आ गए,
अं–अः का पकड़े हाथ।
खेल हुआ निराला,
लो बन गई स्वरमाला।

vkiu fdruk lh[kk

1- f’k{kd cPpk dk fp= igpkudj crku dk dg&

- निम्नलिखित में से किसका नाम ‘ख’ से शुरू होता है?

- चित्र देखकर बताए कि ‘ग’ वर्ण किसके नाम में आता है?

- कौन–सा वर्ण दोनों चि़त्रों के नामों में है?

- ‘क’ वर्ण किस चित्र में है?

2- o.k feykdj fy[k&

ज + ल =

ट + ब =

म + ग + र =

ब + ह + न =

श + र + ब + त =

उ + प + व + न =

bdkbZ 8

मात्रा ज्ञान

vk dh ek=k ¼ k ½

काला–काला बादल आया,
सावन आया, बादल लाया।
बाजा लाकर गाना गाया,
गाना गाकर मन बहलाया।

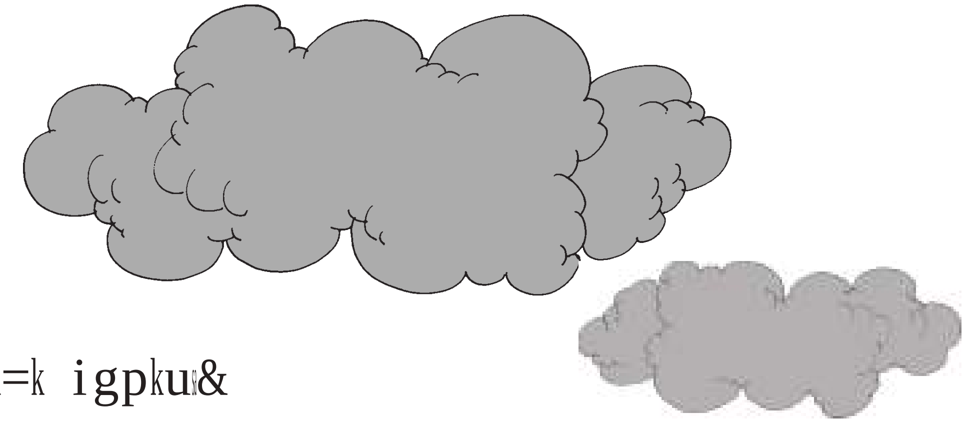

i<+ vkSj ek=k igpkus&

क	–	का	–	काला
ख	–	खा	–	खाना
ग	–	गा	–	गाना
म	–	मा	–	मामा

^vk* dh ek=k okys v{kj igpku vkSj ?kjk yxk,¡ &

चाल	पान	नाम	कान
नाना	मकान	दादा	चढ़ा

f'k{kd d fy, – मात्रा वाले शब्दों को पढ़ने से पहले शिक्षक उन्हें बोलकर बताएँ उसके पश्चात बच्चों से वही शब्द बोलने को कहें।

b dh ek=k ¼f ½

इक चिड़िया के बच्चे चार,
घर से निकले पंख पसार।
उड़ कर पहुँचे बीच बाजार,
लाए बिस्कुट और अनार।

i< vkj ek=k igpku&

तिल	चाहिए	खिल	डिबिया
तकिया	चिड़िया	बिटिया	खटिया

^b* dh ek=k oky: v{kj igpku dj mu ij ?kjk yxk,¡&

दिन	किनारा	बिल	हिल
सितार	किताब	हिसाब	बिटिया

f'k{kd d fy, – इ मात्रा युक्त शब्दों का उच्चारण पहले स्वयं करें तथा बच्चे को दोहराने को कहें।

bl dh ek=k ¼ h½

बिटिया मेरी नन्ही प्यारी,
लगती है वो राजकुमारी।
माखन खाती एक कटोरी,
नन्ही बिटिया बड़ी चटोरी।

i< vkj ek=k igpku&

कल	–	कील	चल	–	चील
क	–	की	च	–	ची
नर	–	नीर	खर	–	खीर
न	–	नी	ख	–	खी

i< vkj vrj igpku &

खि–खिल   खी–खील   दि–दिन   दी–दीन

^b* dh ek=k oky v{kjk ij ?kjk yxk,&

हाथी	पीला	गीत	नीला	साथी
गीला	मीत	बिजली	बीन	नदी

f'k{kd d fy, – ई मात्रा युक्त शब्दों का उच्चारण पहले स्वयं करें तथा बच्चे को दोहराने को कहें। इ तथा ई के उच्चारण का अंतर स्पष्ट करें।

m dh ek=k ¼ ½

बच्चों जब तुम पढ़ने जाओ,
गुरुजनों को शीश झुकाओ।
पढ़–लिखकर तुम बनो महान,
जिससे बढ़े देश की शान।

i< vkj ek=k igpku&

दुम	दयालु	तुम	धनुष	छुप
मुकुट	पुल	रुचि	खुल	कुछ

^m* dh ek=k yxkdj 'kCn cuk,&

धन	चन	गड़	गलगला
पत्र	जामन	ठमक	चप

f'k{kd d fy, – j वर्ण के साथ उ की मात्रा का अभ्यास कराएँ तथा इसका सही प्रयोग सिखाएँ।

Å dh ek=k ¼ ½

काटा आलू, निकला भालू,
भालू भागा, दुम में धागा।
धागा टूटा, भालू रूठा,
धागा जुड़ गया, भालू उड़ गया।

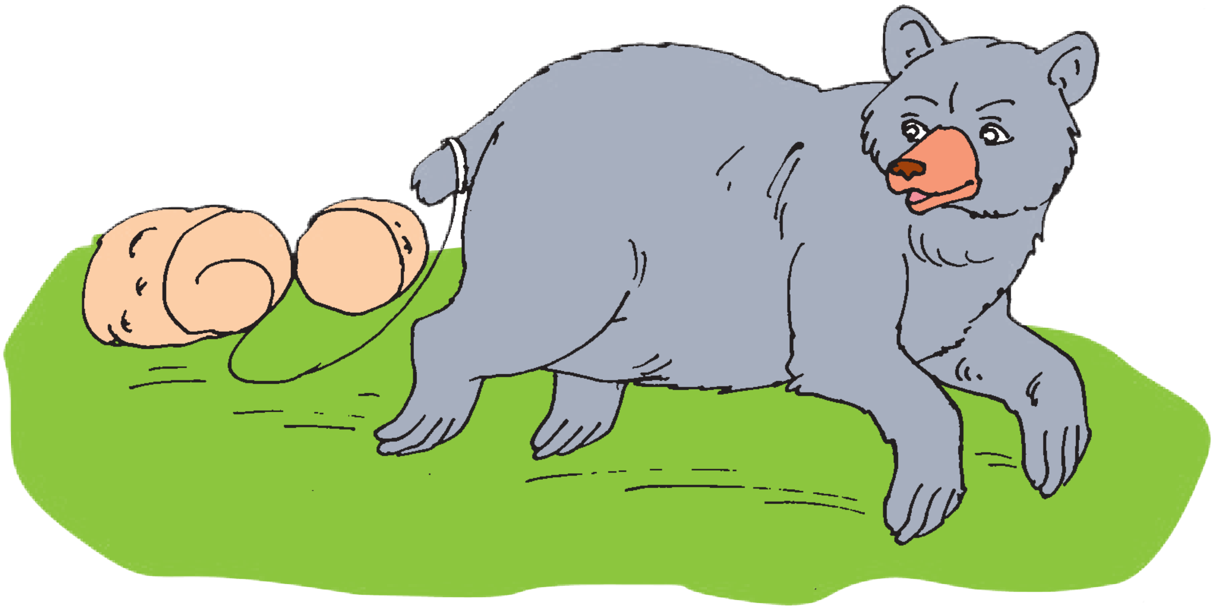

i< vkj ek=k igpku&

फूल	आलू	भूल	रूखा
धूल	नीलू	पीलू	सूखा
रूठा	झूठा	भालू	मूली

^Å* dh ek=k oky: v{kjk ij ?kjk yxk,&

झूला	मूली	मशहूर	चूहा
पूत	तूफान	कूड़ादान	मजबूत

f'k{kd d fy, – j वर्ण के साथ ऊ की मात्रा का अभ्यास कराएँ तथा इनका सही प्रयोग सिखाएँ।

_ dh ek=k ¼ ` ½

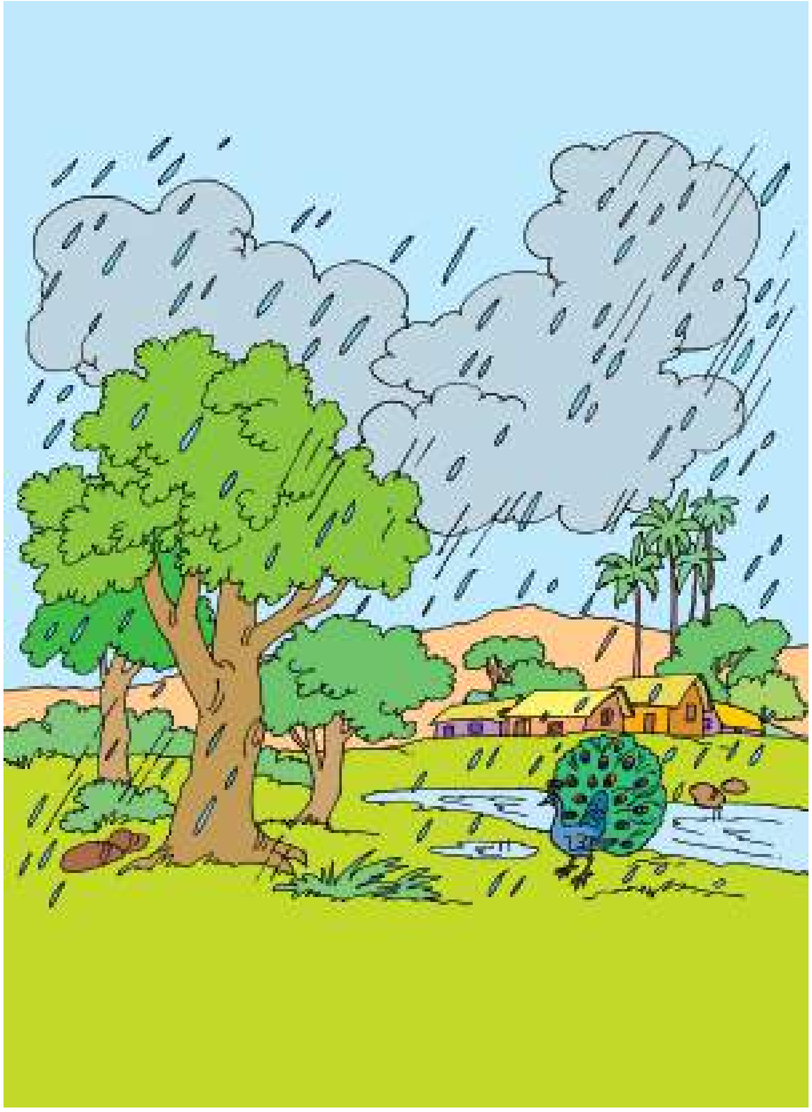

ऋतु वर्षा की आई है,
तृण पर हरियाली छाई है।
धरती दिखती है हरी–भरी,
वृक्षों पर रौनक आई है।

i< vkj ek=k igpku&

मृग	कृष्ण	दृग	मातृ
अमृत	गृह	पृथ्वी	कृषक

^_* dh ek=k okys v{kjk ij ?kjk yxk,¡&

कृपाण	वृथा	वृषभ
सृजन	आकृति	दृश्य

f'k{kd d fy, – वर्णों के साथ ऋ की मात्रा का अभ्यास कराएँ तथा इसका सही उच्चारण सिखाएँ।

, dh ek=k ¼ & ½

ऊपर मेवे का गोदाम,
नीचे रहते चूहेराम।
कभी नहीं करते आराम,
खाते पिस्ते और बादाम।

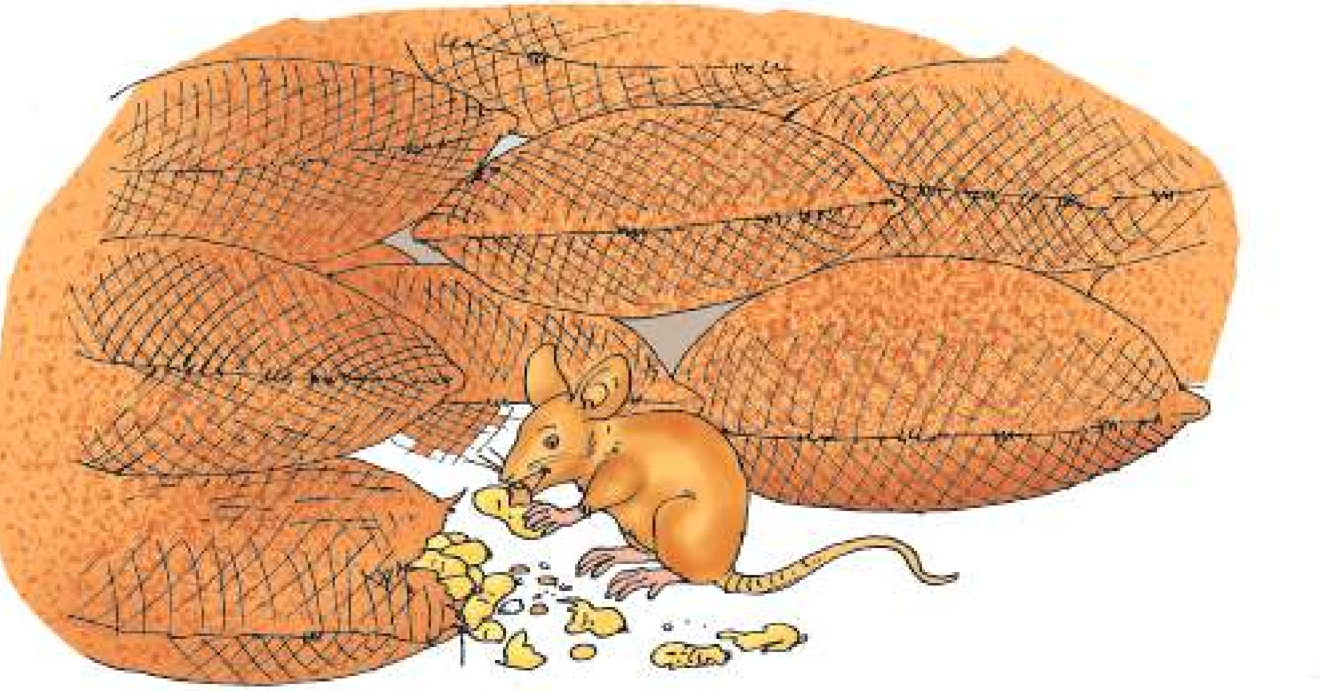

i< vkj ek=k igpku&

रेल	सवेरा	मेल	ठठेरा
सुरेखा	लेखा	करेला	देखा
हमारे	अकेला	सेब	झमेला

^,* dh ek=k oky v{kjk dk igpkudj ?kjk yxk,&

संतरे	सितारे	गुब्बारे
गुलेल	भेड़िया	रेखा
बेलन	देर	शेर

, dh ek=k ¼&½

छोटी सी यह मेरी नैया,
इसमें बैठे मैं और भैया।
दुनिया भर की सैर करेंगे,
तूफानों से नहीं डरेंगे।

i< vkj ek=k igpku&

मैला	थैला	पैर	तैर	पैसा
जैसा	कैसा	वैसा	भैया	मैया
नैया	थैया			

^,* dh ek=k oky v{kjk ij ?kjk yxk,&

तैरना	पैदल	कैलाश	तलैया	सौर
मैना	नैना	रैना	सैर	नैया

vks dh ek=k ¼ ks ½

सभी पक्षियों में सिरमौर,
कैसा सुंदर पक्षी मोर।
पिहु–पिहु का करता शोर,
बादल छाएँ जब घनघोर।

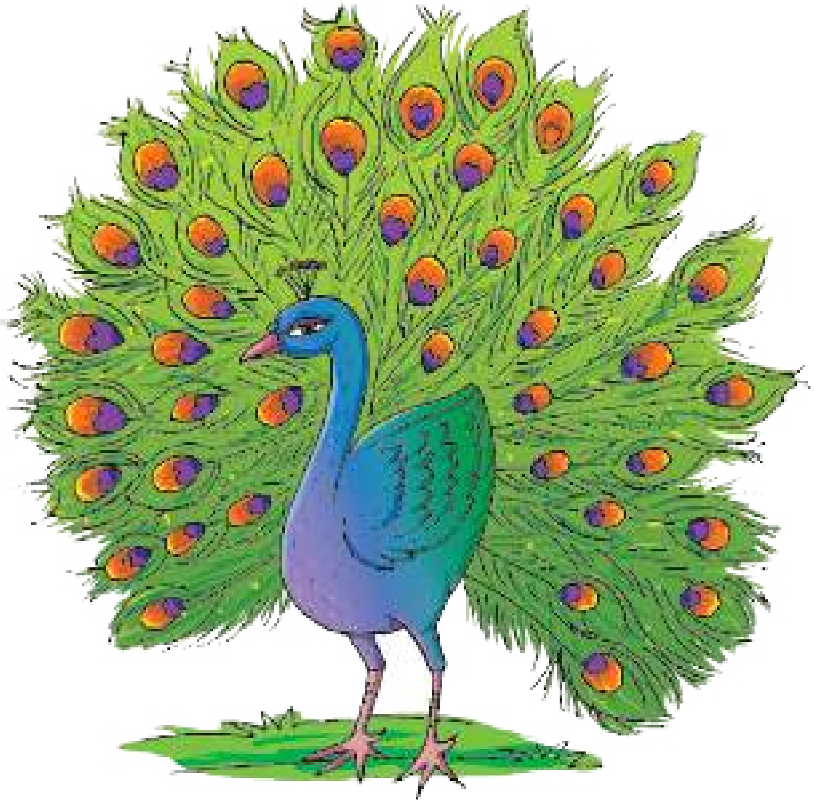

i<+ vkSj ek=k igpku&

मोर	चकोर	भोर	गोल	अनमोल
ढोलक	समोसा	मोगरा	कटोरा	शोर

^vks* dh ek=k yxkdj 'kCn cuk,&

म·····टर	मर·····ड़	सिक·····ड़
घ·····ड़ा	ब·····तल	स·····डा

vk dh ek=k ¼ k ½

मौसी चार कचौड़ी लाई,

फिर लौकी की खीर बनाई।

मम्मी झट पकौड़ी लाई,

सब बच्चों ने मिलकर खाई।

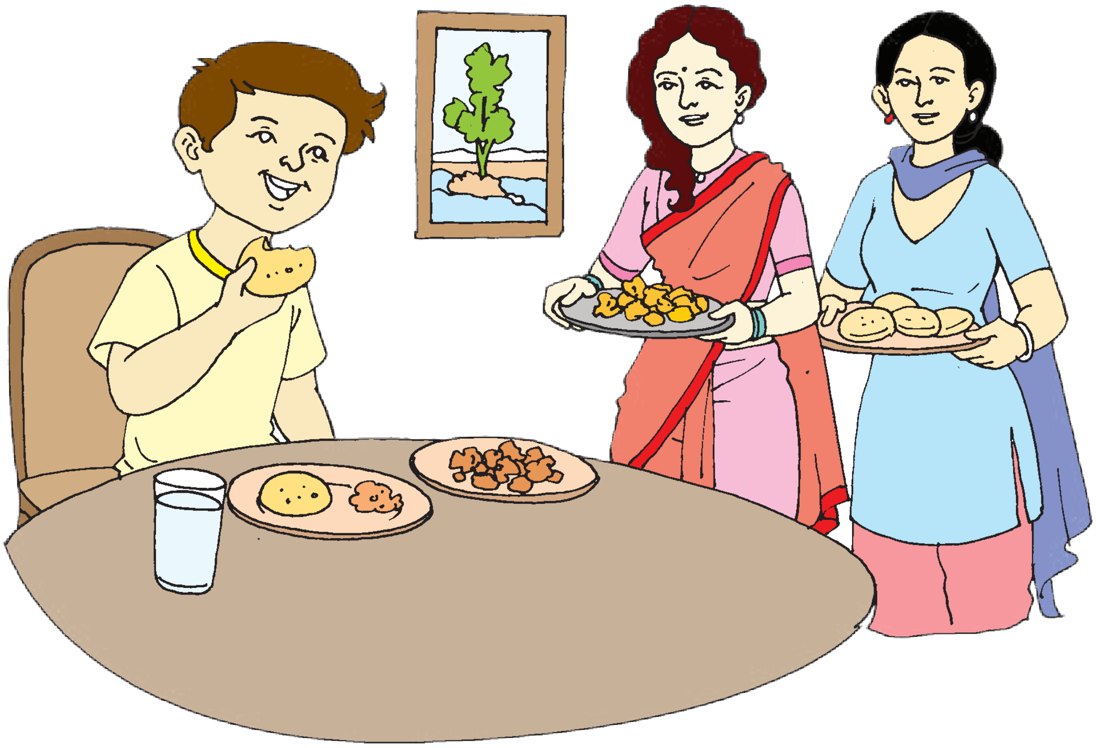

i< vkj ek=k igpku&

औरत	सिरमौर	औषध	मौसी
औज़ार	रौनक	भौंरा	बौना

^vk* dh ek=k oky v{kjk ij ?kjk yxk,&

चौड़ा	दौड़ा	पकौड़ा	जौ	कौन
मौन	हथौड़ा	कौआ	लौकी	पौधा

¼&½ rFkk ¼&½

रंग– बिरंगी उड़ी पतंग,
है धागे से जुड़ी पतंग।
अब लड़ने में जुटी पतंग,
कटने पर अब लुटी पतंग।

सुबह–सवेरे बजी बाँसुरी,
फूलों की खुल गई पाँखुरी।
चाँद छिप गया दूर कहीं,
सूरज निकला अभी–अभी।

v% ¼ % ½

पुनः पुनः ये कविता गाओ,
शनैः शनैः तुम गाते जाओ।
प्रातः उठते ही दोहराओ,
और ज्ञान को खूब बढ़ाओ।

i< vkj vrj tkus&

हंस	हँस
पंख	पाँख
चंद	चाँद
दंत	दाँत

f'k{kd d fy, – बच्चों से इन शब्दों का उच्चारण करवाते हुए अंतर स्पष्ट करें।

>ek&xkvk

बंदर ने खोली दुकान,
नाई का लाया सामान।
कुर्सी पर जा बैठा काला,
कुत्ता लंबे बालों वाला।
कैंची कंघा लेकर बंदर,
लगा काटने बाल सँभलकर।
बैठे भालू, गीदड़ जमकर,
लगे ताकने अपना नंबर।

f'k{kd d fy, – लय के साथ सामूहिक रूप से कविता का वाचन करवाएँ। शब्दों पर ध्यान दिलवाते हुए कविता को बार–बार प्रस्तुत करवाया जाए।

fp= ns[kdj ‘kCn cuk,¡

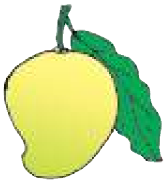

............म

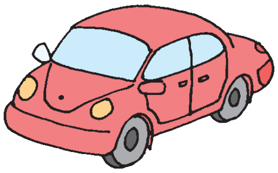

............र

............क

............ड़

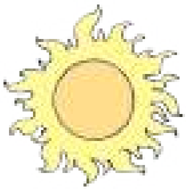

............रज

............ड़की

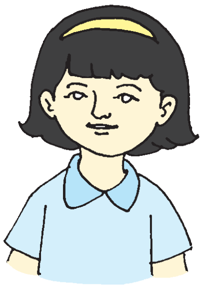

............ला

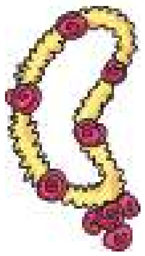

............ड़िया

............लाब

............रत

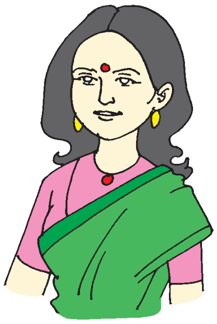

lgh LFkku ij igpk,

कार,	खीर,	चावल,	सीटी,	घड़ी,	ताला,	छतरी,
मछली,	हाथ,	मामा,	गमला,	दाल		

ckDl esa fn, x, 'kCnksa esa ls *vk* o *bZ* dh ek=k okys 'kCn vyx&vyx ?kM+ksa esa Mkysa&

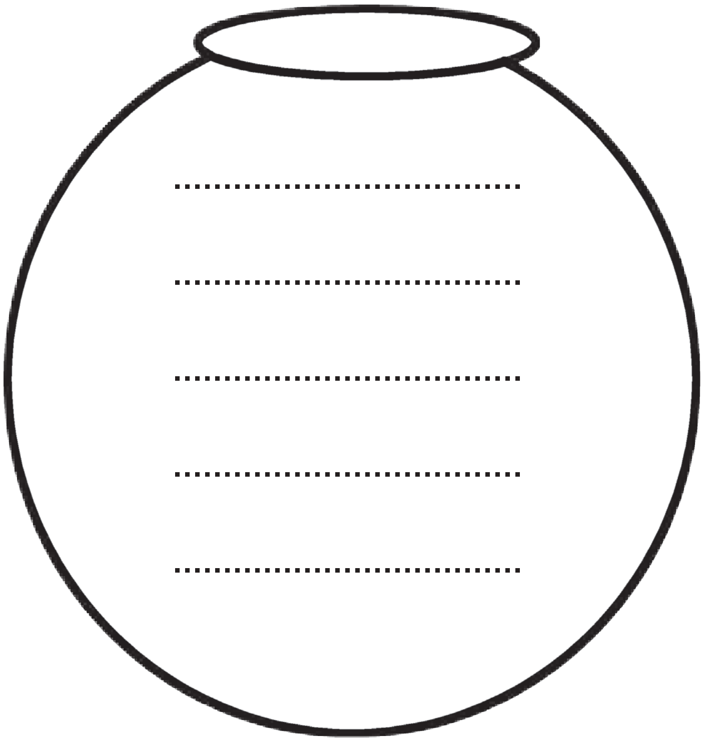

vk

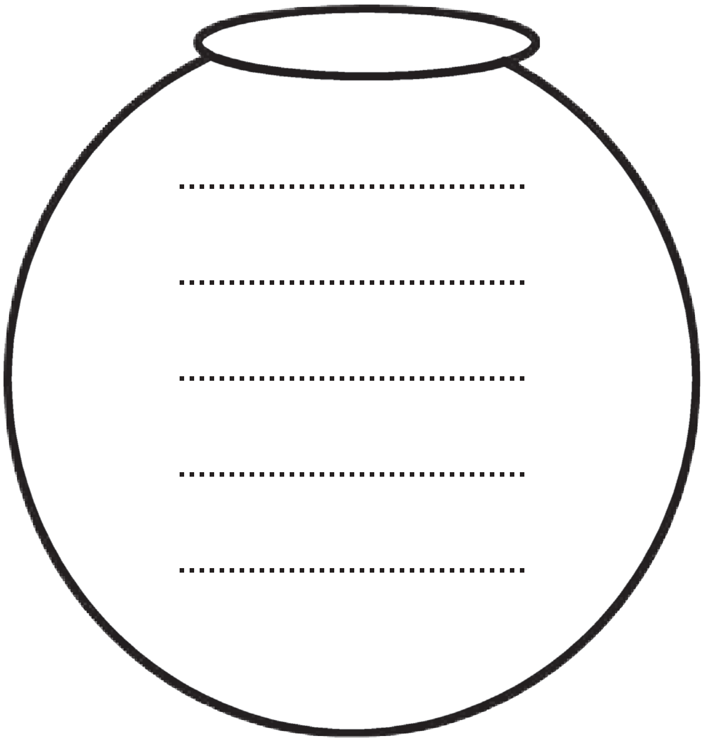

bZ

bdkb 9

आओ पढ़ें कहानी

6LWER4

[kjxk'k] cnj vkj gkFkh

bdkb 10

ढूँढें और लिखें

djrs gSa ;s D;k&D;k dke] crykvks rqe budk ukeA

भोलू बोला मोची से,
पॉलिश कर दो जूतों पे।

....

....

धोबी धोता कपड़े ढेर,
धोने में वह करे न देर।

फूलों का तो मित्र है माली,
बगिया की करता रखवाली।

....

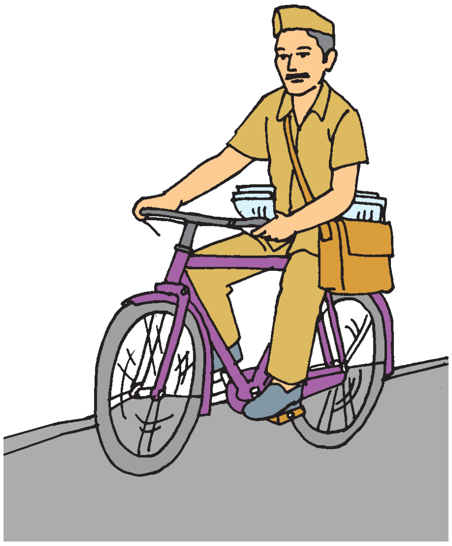

साइकिल पर आता है, पत्र सभी के लाता है,
नाम अगर पूछो उसका तो डाकिया बतलाता है।

....

बबली बोली दरजी से,
सी दो कपड़े जल्दी से।

....

सबको कहे दुकानदार,
आज नकद दो कल उधार।

मेहनत करता बहुत किसान,
उपजाता गेहूँ और धान।

दूध दूधिया लाता है,
घर आकर दे जाता है।

jxk d uke

dkyk	uhyk	ihyk
का	नी	पी
yky	gjk	xqykch
ला	ह	गु
Hkjk	lQsn	vkleku
भू	स	आ

f'k{kd d fy, – रंग के नाम अनुसार अक्षर में रंग भरने में बच्चों की सहायता करें।

c>k rk tku

नीचे पटको ऊपर जाऊँ,
ऊपर से फिर नीचे।
आऊँ–जाऊँ, आऊँ–जाऊँ,
जितना चाहे, खेल दिखाऊँ।

दूर–पास के लोगों से,
घर बैठे मिलवाता हूँ।
जब तक मुझको नहीं उठाते,
ट्रिन–ट्रिन गीत सुनाता हूँ।

फर्र–फर्र, फर्र–फर्र चलता हूँ,
गरमी दूर भगाता हूँ।
पसीना खूब सुखाता हूँ,
सबके मन को भाता हूँ।

लकड़ी की मैं बनती हूँ,
पानी पर मैं चलती हूँ।
दो डंडों के पैर लगाओ,
तब मैं आगे बढ़ती हूँ।

कच्ची हूँ मैं हरी–हरी,
पक कर होती लाल।
अगर कोई खा जाए मुझको,
होए हाल बेहाल।

रोज़ कहानी मुझे सुनाती,
पापा की वो माँ कहलाती।

f'k{kd d fy, – कक्षा में इन पहेलियों को सुनाकर बच्चों से इनके उत्तर पूछें तथा बच्चों को उत्तर का अनुमान लगाने के लिए प्रोत्साहित करें।

ejk yê

तेरा लट्टू हार गया,
मेरा बाजी मार गया।
देखो, कैसे नाच रहा है?
सबके मन को जाँच रहा है।
कीमत इसकी पाँच रुपया,
झट से रुपये लाओ भैया।

Hkkyw dh jsy

पैंट, कोट और बाँधे टाई,
रेल में बैठे भालू भाई।
खिड़की खोले झाँक रहे हैं,
स्टेशन को वे ताक रहे हैं।
लाओ अब एक चाय गरम,
साथ में बिस्कुट नरम–नरम।

vkiu fdruk lh[kk

1- fp= dk igpkudj ek=k yxk,¡&

ब_ज_

बकर_

चहा

म_र

पसा

2- lgh 'kCn ij ¼✓½ dk fu'kku yxk,¡&

= बंदर बदंर

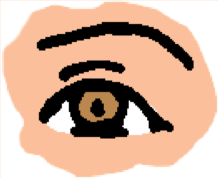 = आंख आँख

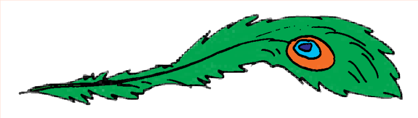 = पँख पंख

3- fp= ns[kdj uke fy[kk&

n’kgjs dk esyk

f’k{kd d fy, – बच्चों को मेले का चित्र दिखाकर उनसे बातचीत करें–

- चित्र में आप क्या–क्या देख रहे हैं ?
- चित्र में बच्चे क्या–क्या कर रहे हैं?
- लोग किसकी सवारी का आनंद ले रहे हैं?
- किसके पुतले बनाए गए हैं?
- मेला कौन से त्योहार से संबंधित है?

अध्यापक बच्चों को सरल वाक्य में उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें ।

6MF6UE